दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-34 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 12 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मध्य पूर्व युद्ध का असर : देश में एलपीजी की किल्लत, सिलेंडर बुकिंग ठप; लोग इलेक्ट्रिक किचन उपकरणों की ओर मुड़े

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मध्य पूर्व क्षेत्र में जारी युद्ध और गैस सप्लाई में बाधा के बाद देश में एलपीजी गैस के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर परेशानियां बढ़ने लगी हैं। कई शहरों में इसका असर दिखाई देने लगा है। दिल्ली में गैस सिलेंडर की बुकिंग नहीं हो पा रही है, जबकि मुंबई में भी लोगों को सिलेंडर मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें बढ़ने और आपूर्ति प्रभावित होने के बाद लोग खाना बनाने के लिए बिजली से चलने वाले उपकरणों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। बाजार में इलेक्ट्रिक कुकर, माइक्रोवेव ओवन, ओटीजी ओवन, टोस्टर, ग्रिल, इलेक्ट्रिक तवा, एयर फ्रायर, मल्टी कुकर, इलेक्ट्रिक स्टीमर और हॉट प्लेट जैसे किचन उपकरणों की मांग तेजी से बढ़ी है।

दरअसल, 7 मार्च को केंद्र सरकार ने घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। इसके बाद व्यावसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति भी प्रभावित होने लगी। इसका असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है और कई जगहों पर लोगों को सिलेंडर बुक कराने में भारी दिक्कतें आ रही हैं। महाराष्ट्र के अलावा उत्तर प्रदेश और बिहार में भी गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

दिल्ली में गैस बुकिंग भी ठप

राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में एलपीजी सिलेंडर नहीं मिलने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उपभोक्ता न तो गैस बुक कर पा रहे हैं और न ही उन्हें समय पर सिलेंडर मिल रहा है। गैस बुकिंग के लिए जारी टोल-फ्री नंबर भी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 7718955555 नंबर पर कई बार कॉल नहीं लगती, कभी यह स्विच ऑफ बताता है तो कभी नॉट इन यूज का संदेश मिलता है। ऐसे में उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों के बाहर जाकर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है।मुंबई में कई जगहों पर ग्राहकों को समय पर एलपीजी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। ऐसी स्थिति में लोग सतर्कता बरतते हुए खाना बनाने के लिए वैकल्पिक साधन अपनाने लगे हैं।

बिजली से चलने वाले किचन उपकरणों की मांग लगातार बढ़ रही है। व्यापारियों का कहना है कि अगर अगले एक सप्ताह में स्थिति नहीं सुधरी तो देश में ईंधन संकट की आशंका बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी तनाव के कारण ईंधन आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे आने वाले दिनों में इलेक्ट्रिक किचन उपकरणों की मांग और बढ़ सकती है।

पीलीभीत में 'चमत्कार' ब्रेन डेड घोषित महिला को एंबुलेंस के झटके से आया होश, अंतिम संस्कार से पहले लौट आई जिंदगी

पीलीभीत (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिस महिला को डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था और जिनके अंतिम संस्कार की तैयारी तक हो चुकी थी, वह चमत्कारिक रूप से दोबारा होश में आ गईं। यह मामला पीलीभीत के गोकुलपुरम कॉलोनी का है। यहां रहने वाली विनीता शुक्ला 22 फरवरी को अचानक घर में बेहोश होकर गिर पड़ी थीं। परिजन उन्हें तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बरेली के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर के जैरई में गौरी शंकर मंदिर में पूजा अर्चना की।

स्पीकर ओम बिरला को हटाने का विपक्ष का प्रस्ताव खारिज

-लोकसभा में ध्वनिमत से फैसला...अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में जोरदार बहस...चर्चा के दौरान राहुल गांधी बोले

नई दिल्ली (ए.)। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की तरफ से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हो गया है। इस दौरान विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया, वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने इससे पहले विपक्ष पर करारा हमला भी बोला। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने का फैसला सुनाया। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा- नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अफसोसजनक, क्योंकि स्पीकर किसी एक दल के नहीं है, वे सभी के हैं। स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है।

चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये कौन लोग हैं जो राम को काल्पिनक बताते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम के लिए मेज तक नहीं बजा सके हैं। राहुल को लगता है कि पीएम का पद तो उनके लिए ही है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश माओवादतंत्र से नहीं लोकतंत्र से चलता है। हमारे सदस्य को संसद के बाहर गद्दार कहा गया था। हम तो आफगानिस्तान से अपने लोगों को वापस लाए। इन लोगों ने सिखों के गले कटवाए। सरेंडर आप लोगों ने किया था चीन को 38 हजार स्क्वयार मीटर जमीन देकर। हमने तो अपने सेना को खुली छूट दी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी टुकड़े टुकड़े गैंग के साथ जाकर खड़े हो गए थे। वोटी-वोटी नोचने वाला बयान इनके नेता ने दिया। राहुल गांधी प्रस्ताव पर साइन नहीं करते, प्रियंका जी भी नहीं करतीं।

सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा को दी इच्छा मृत्यु की इजाजत, देश का पहला ऐसा मामला; 13 साल से कोमा में पड़े

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के निवासी हरीश राणा को पैसिव यूथेनेसिया (इच्छा मृत्यु) की अनुमति दे दी है। करीब 13 साल से अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हरीश को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि उन्हें एम्स (AIIMS) के पैलिएटिव केयर विभाग में भर्ती कराया जाए, जहां चिकित्सा प्रक्रिया के तहत जीवनरक्षक उपचार वापस लिया जाएगा।अदालत ने कहा कि पूरी प्रक्रिया गरिमा और सम्मान के साथ पूरी की जानी चाहिए। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हरीश के परिजनों से भी बातचीत की थी। 100 प्रतिशत दिव्यांगता से जूझ रहे बेटे के ठीक होने की उम्मीद खत्म होने के बाद उसके माता-पिता ने ही इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग की थी। एम्स की मेडिकल रिपोर्ट में भी कहा गया है कि हरीश के ठीक होने की संभावना नहीं है।

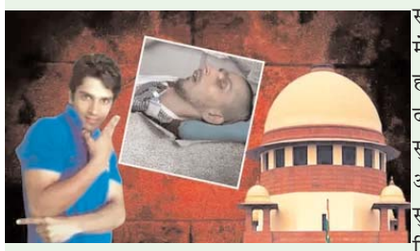

व्हाइट हाउस की सुरक्षा में बड़ी सेंध, बैरिकेड तोड़कर अंदर घुसी तेज रफ्तार वैन, मचा हड़कंप

वाशिंगटन (ए)। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन 'व्हाइट हाउस' के बाहर बुधवार सुबह उस वक्त भारी हड़कंप मच गया, जब एक वैन सुरक्षा बैरिकेड्स को तोड़ते हुए अंदर घुस गई। इस दुस्साहसिक घटना ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ा दिए हैं, क्योंकि ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण अमेरिका में पहले से ही हाई अलर्ट है। सीक्रेट सर्विस और पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वैन के ड्राइवर को मौके पर ही दबोच लिया। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि घटना के वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर ही मौजूद थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के अनुसार, यह खौफनाक घटना सुबह करीब 6:37 बजे हुई।

लैंडिंग के दौरान रनवे पर टूटा एयर इंडिया के विमान का पहिया, 133 यात्रियों की अटकी सांसें

नई दिल्ली(आरएनएस)। एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट बुधवार को थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते समय उसका नोज गियर टूट गया, जिससे कुछ समय के लिए रनवे को बंद करना पड़ा। हालांकि राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।जानकारी के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737 मैक्स-8 विमान हैदराबाद से उड़ान भरकर फुकेट पहुंचा था। विमान जैसे ही रनवे पर उतरा, लैंडिंग के दौरान जोरदार झटके के कारण उसका नोज व्हील अलग हो गया और आगे का लैंडिंग गियर क्षतिग्रस्त हो गया।

मप्र में बढ़ने लगी गर्मी की रफ्तार

कई जिलों में पारा 38 पार, ग्वालियर-चंबल में ज्यादा असर

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में इस बार मार्च की शुरुआत से ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। आमतौर पर महीने के दूसरे पखवाड़े में बढ़ने वाली गर्मी इस बार पहले ही हफ्ते में तेज हो गई है। सबसे ज्यादा असर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में देखा जा रहा है, जहां तापमान सामान्य से करीब 6 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन जैसे बड़े शहरों में भी दिन का पारा लगातार चढ़ रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 15 मार्च के बाद गर्मी का असर और तेज हो सकता है।

प्रदेश के कई जिलों में तापमान 38 डिग्री के पार पहुंच गया। धार में सबसे अधिक 39 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा सागर में 38.9 डिग्री, रतलाम और नर्मदापुरम में

38.8 डिग्री, खजुराहो में 38.3 डिग्री, गुना में 38.1 डिग्री तथा दमोह और टीकमगढ़ में 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पांच बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे गर्म रहा, जहां पारा 37.2 डिग्री तक पहुंच गया। उज्जैन में 37 डिग्री, इंदौर में 36.8 डिग्री, जबलपुर में 36.6 डिग्री और भोपाल में 36.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 34 डिग्री से ऊपर बना हुआ है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में हवा की दिशा में बदलाव आया है। पहले जहां हवाएं उत्तर-पूर्व से आ रही थीं, वहीं अब पश्चिम और उत्तर-पश्चिम की ओर से चल रही हैं। इन हवाओं में नमी कम है और ये राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों से होकर मध्यप्रदेश तक पहुंचती हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ रहा है।मौसम विभाग के मुताबिक 15 मार्च के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके असर से प्रदेश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई जा रही है।मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मार्च में लू चलने की संभावना नहीं है, लेकिन अप्रैल और मई में भीषण गर्मी पड़ सकती है। इस दौरान 15 से 20 दिनों तक हीट वेव का असर देखने को मिल सकता है।

भारत की बुझती रसोई को मिला इस देश का सहारा, गैस संकट के बीच दिया अब तक का सबसे बड़ा ऑफर

नई दिल्ली (आरएनएस)। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच छिड़े भीषण युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में तहलका मचा दिया है। कतर से होने वाली गैस सप्लाई बाधित होने के बाद भारत में भी एलपीजी और नैचुरल गैस की किल्लत की आहट सुनाई देने लगी है। इस नाजुक मोड़ पर भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। 'एनर्जी सुपरपावर' कनाडा ने भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी एलएनजी (LNG) और महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार खोलने का प्रस्ताव दिया है।पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण कतर से होने वाली सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है। बुधवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक वीडियो साझा करते हुए भारत को एक भरोसेमंद साझेदारी का भरोसा दिया। कार्नी ने कहा कि कनाडा दुनिया की सबसे कम कार्बन उत्सर्जन वाली और सुरक्षित लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) सप्लाई करने में सक्षम है, जो भारत के हीटिंग, बिजली उत्पादन और औद्योगिक कार्यों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी।

राहुल गांधी का आरोप, सदन के अंदर पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया

भाजपा सांसद प्रसाद ने कहा, इन्हें बेसिक समझदारी भी नहीं

नई दिल्ली,(ए)। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं, तब हमें रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल गांधी ने कहा कि आखिरी बार मैंने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। राहुल गांधी के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इन्हें बेसिक समझदारी भी नहीं है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया और स्पीकर की भूमिका के बारे में है, कई बार मेरा नाम लिया है और मेरे बारे में अजीब बातें कही गई हैं। यह सदन भारत के लोगों

की अभिव्यक्ति है। यह किसी एक पार्टी को नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। हर बार जब हम बोलने के लिए उठते हैं, तब हमें बोलने से रोका जाता है। पिछली बार जब मैंने बात की थी, तब मैंने हमारे पीएम मोदी द्वारा किए गए समझौतों के बारे में एक बुनियादी सवाल उठाया था। सदन में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। चर्चा के लिए 10 घंटे का समय तय है। दूसरे चरण के दूसरे दिन भी सदन में विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया था। संसद के बाहर सांसदों ने प्रदर्शन भी किया था।

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने बताया कि यूपीए-1 सरकार के दौरान, जब लोकसभा में प्रश्नों के बदले पैसे का मामला उठाया गया था, तब तत्कालीन विपक्ष के नेता एल.के. आडवाणी को तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने बोलने नहीं दिया था। प्रसाद ने कहा कि भाजपा ने उस समय इस कदम का कड़ा विरोध किया था और विरोध के तौर पर सदन से वॉकआउट किया था।

प्रसाद ने कहा कि अध्यक्ष की ओर से पार्टी सदस्यों से सदन में लौटने का अनुरोध करने के बावजूद, भाजपा सांसदों ने वापस आने से इंकार कर दिया क्योंकि वे कार्यवाही के संचालन के तरीके से सहमत नहीं थे। उन्होंने इस घटना का हवाला देते हुए अपनी बात को रेखांकित किया कि संसदीय विरोध प्रदर्शन पहले भी हो चुके हैं और प्रक्रियाओं को लेकर असहमति सदन के कामकाज में कोई नई बात नहीं है।

कपिल सिबल का कहना है कि एलपीजी की कमी के बीच घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देना मोदी सरकार का अधिकार है। उन्होंने कहा, अगर युद्ध जारी रहा, तब बहेद परेशानी होगी। इससे कई सेक्टर पर असर पड़ेगा।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किया जाए

शंकराचार्य जी पर लगे आरोपों को खारिज किया जाए

नर्मदापुरम(निप्र)। संस्कार और संस्कृति के देश में जहां गौ माता को पूजनीय कहा जाता है वही लाखों करोड़ रुपए का गौ मांस निर्यात किया जाता है द्य सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित ने कहा कि हिंदू राष्ट्र की कल्पना करने वाले क्या गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की पहल नहीं कर सकते क्या गौशाला के नाम से निर्धारित गौशाला होने के उपरांत भी गौ माता सड़कों पर घूमती देखी जा सकती है शासन एवं सरकार की नीतियां जनमानस के लिए चिंता का विषय होना चाहिए सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंचके सदस्य अशोक दिबोलिया लखन रघुवंशी मोहम्मदअकरम खान डॉ सुरेंद्र जीत सिंह ललित मोहन यादव बद्री प्रसाद कौरव जयशंकर तिवारी डॉ मयंक तोमर लखन रघुवंशी ओपी तिवारी केएन त्रिपाठी अशोक परसाई रमेश सोनी संजीव शर्मा रमेश गोप्लानी महेश शर्मा केके शर्मा पंकज साद डॉ प्रदीप जैन अनूप दुबे ओमप्रकाश मालवीय किरण शर्मा जय बाला निगम सहित सभी सदस्यों ने शासन एवं सरकार से यह मांग की है कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किया जाए एवं शंकराचार्य जी के ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें निर्दोष घोषित किया जाए दीक्षित ने बताया कि शीघ्र विषय अंतर्गत राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के नाम संभाग आयुक्त को ज्ञापन सोपा जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में एक-दूसरे से जुड़ेंगे गांव, सुगम होगी आवागमन की सुविधा

सुगम संपर्कता परियोजना अंतर्गत मजरे-टोले और सांदीपनि स्कूलों तक बनेगी नई सड़कें

भोपाल, (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने नई पहल शुरू की है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सुगम संपर्कता परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से गांव, ग्राम पंचायत और 100 से अधिक आबादी वाले मजरा-टोला तथा मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना अंतर्गत चिन्हित बस्तियों को भी सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा।

मनरेगा के तहत होगा सड़क निर्माण

परियोजना अंतर्गत सड़कों का निर्माण मनरेगा यानी (VB-G RAM G) योजना के माध्यम से कराया जाएगा। इसके लिए प्रदेश की प्रत्येक जनपद पंचायत को रू. 3 करोड़ तक की स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार दिया गया है। मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा सभी जनपद पंचायतों को राशि भी आवंटित कर दी गई है। परियोजना के तहत मजरे-टोले और सांदीपनि विद्यालयों तक बनने वाली सड़कों के लिए स्थान का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही सड़कों की डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार करने के लिए सिपरी सॉफ्टवेयर और आरआईएमएस का उपयोग किया जाएगा।परियोजना अंतर्गत बनने वाली सड़कों की निगरानी ड्रोन तकनीक से की जाएगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। आयुक्त मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद श्री अवि प्रसाद ने बताया कि परियोजना के तहत 28 मार्च 2026 तक डीपीआर तैयार कर उसकी तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और इस परियोजना के माध्यम से 100 से अधिक आबादी वाले मजरे-टोले तथा सांदीपनि विद्यालयों तक सड़क निर्माण

भोपाल में माइनिंग कारोबारी दिलीप गुप्ता के ठिकानों पर आयकर विभाग का छापा, दस्तावेज खंगाले जा रहे

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार सुबह आयकर विभाग (आईटी) ने माइनिंग कारोबारी दिलीप गुप्ता के ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। दिल्ली से आई आयकर विभाग की टीम ने सुरक्षा बलों के साथ शहर के कई स्थानों पर एक साथ दबिश देकर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक बुधवार तड़के करीब 6 बजे आयकर विभाग की टीमें भोपाल के चूनाभट्टी स्थित पारिका सोसाइटी फेस-2 में स्थित दिलीप गुप्ता के निवास और एमपी नगर स्थित उनके कार्यालय पहुंचीं। यहां टीम कारोबारी और उनके परिवार से पूछताछ के साथ-साथ कारोबार और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई सिर्फ भोपाल तक सीमित नहीं है। आयकर विभाग की टीमें दिल्ली, कानपुर और छतरपुर में भी दिलीप गुप्ता से जुड़े ठिकानों पर जांच कर रही हैं। अलग-अलग टीमों ने एक साथ कई स्थानों पर दबिश देकर वित्तीय लेनदेन और निवेश से जुड़े रिकॉर्ड खंगालना शुरू किया है।

छापेमारी के दौरान अधिकारी बैंक खातों, आय-व्यय के रिकॉर्ड, प्रॉपर्टी से जुड़े कागजात और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। विभाग यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि आय और घोषित संपत्ति के बीच कोई असमानता या टैक्स चोरी तो नहीं हुई है।इससे पहले आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भी दिलीप गुप्ता से जुड़े भोपाल के दो ठिकानों पर कार्रवाई कर चुका है।

उस दौरान जांच एजेंसी को बड़ी मात्रा में नकदी, दस्तावेज और कई अहम फाइलें मिली थीं। गुप्ता और उनकी कंपनियों—डीजी माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड और श्री मां सीमेंटेक प्राइवेट लिमिटेड—पर निवेशकों के करोड़ों रुपये हड़पने के आरोप भी लगे थे। फिलहाल आयकर विभाग की टीम दस्तावेजों की गहन जांच में जुटी हुई है।

विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं : अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला

भोपाल (संदीप पंडा)। अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को भोपाल संभाग की विकास योजनाओं और शासकीय नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयुक्त कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक दक्षिण पश्चिम भोपाल भगवानदास सबनानी, सांची विधायक प्रभुराम चौधरी, शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, नरसिंहगढ़ विधायक मोहन शर्मा एवं बैरसिया विधायक विष्णु खत्री सहित अन्य जिलों से सभी विधानसभाओं के विधायकगण भी वीसी के माध्यम से जुड़े। इसके साथ ही कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह, सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सभी संबंधित विभागीय अधिकारी एवं राजगढ़, विदिशा, रायसेन एवं सीहोर कलेक्टर्स व्हीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (PHE), नल-जल योजना और जल जीवन मिशन सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा योजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। श्री शुक्ला ने कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालयों और आंगनवाड़ियों के संचालन की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों की व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की कमी या अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ नियत समय अवधि में पूर्ण करें : मंत्री श्री सिलावट

विभागीय कार्यों की समीक्षा की

भोपाल (ए.)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ नियत समय अवधि में पूर्ण करें, जिससे जनता को इन कार्यों का समय से पूरा लाभ मिल सके. विभागीय अधिकारी समय-समय पर कार्यों का निरीक्षण करें एवं निरंतर निरीक्षण प्रतिवेदन दें. कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। मंत्री श्री सिलावट ने बुधवार को मंत्रालय में जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा की. बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता, विनोद कुमार देवड़ा, मुख्य अभियंता सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्य से संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट द्वारा प्रमुख रूप से नर्मदा तासी कछार इंदौर, जल संसाधन विभाग उज्जैन एवं नमामि क्षिप्रे परियोजना इकाई उज्जैन में निर्माणाधीन वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं की समीक्षा की गई. उन्होंने आगामी सिंहस्थ-2028 से संबंधित विभागीय कार्यों कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना, सेवरखेड़ी सिलारखेड़ी परियोजना, क्षिप्रा नदी के दोनो तटो पर घाट निर्माण की विस्तृत समीक्षा कर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और इन सभी कार्यों को समय-सीमा में आगामी सिंहस्थ के पूर्व पूरी गुणवत्ता एवं विभागीय मापदण्ड अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिये।

भोपाल मेट्रो के टनल निर्माण की तैयारी तेज

- पुट्ठा मिल में कई फीट गहरा गड्ढा, जमीन के 20 मीटर नीचे उतरेगी ईपीबी मशीन

भोपाल (ए)। राजधानी भोपाल में मेट्रो प्रोजेक्ट के सबसे अहम चरण अंडरग्राउंड रूट यानी टनल निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। ऑरेंज लाइन में सिंधी कॉलोनी से बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन होते हुए पुल पातरा तक सुरंग बनाई जाएगी। इसके लिए पुट्ठा मिल क्षेत्र में कई फीट गहरा गड्ढा खोद लिया गया है, जहां से जल्द ही अर्थ प्रेशर बैलेंस (ईपीबी) मशीन को जमीन के भीतर उतारा जाएगा।अधिकारियों के मुताबिक यह सुरंग करीब 20 मीटर गहराई में बनाई जाएगी।

भोपाल मेट्रो की करीब 15 किमी लंबी ऑरेंज लाइन करोंद चौराहे से एम्स तक विकसित की जा रही है। टनल निर्माण के लिए बेंगलुरु से दो टनल बोरिंग मशीनें भोपाल पहुंच चुकी हैं। इन मशीनों की कीमत करीब 100 करोड़ रुपए प्रति मशीन है। यह मशीनें 5.8 मीटर व्यास की गोलाई में जमीन के भीतर जुड़वां सुरंगें बनाएंगी। मशीनों के सभी हिस्से जोडऩे के बाद खुदाई का मुख्य काम शुरू किया जाएगा।

769 करोड़ का अनुबंध, 42 महीने में पूरा काम

टनल निर्माण के लिए कंपनी के साथ 769 करोड़ रुपए का अनुबंध किया गया है। करीब 3.25 किलोमीटर लंबे हिस्से में दोहरी सुरंग बनाई जाएगी। पूरी परियोजना को पूरा करने के लिए 42 महीने का समय तय किया गया है।

छह हिस्सों में बनेगी सुरंग

करीब सवा तीन किलोमीटर लंबी इस अंडरग्राउंड लाइन को 6 हिस्सों में तैयार किया जाएगा। इस मार्ग पर सुभाष नगर, पुल बोगदा इंटरचेंज, ऐशबाग, सिंधी कॉलोनी, डीआईजी बंगला और कृषि मंडी स्टेशन बनाए जाएंगे। सिंधी कॉलोनी स्टेशन पर रैंप भी तैयार किया जाएगा। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार दोनों मशीनों को पहले भोपाल जंक्शन के दक्षिणी शाफ्ट से पातरा पुल की दिशा में चलाया जाएगा।

इसके बाद उत्तर दिशा की ओर खुदाई आगे बढ़ेगी और अंतिम चरण में सिंधी कॉलोनी तक सुरंग बनाई जाएगी।ऑरेंज लाइन का अंडरग्राउंड रूट पुल पातरा से बड़ा बाग और सिंधी कॉलोनी तक 3.39 किमी लंबा होगा।

यह सुरंग भोपाल की ऐतिहासिक इमारतों और घनी आबादी के नीचे से गुजरेगी, लेकिन निर्माण के दौरान ऊपर की सतह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

मप्रः शासकीय छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, इस वर्ष पूरी तरह होगी ऑनलाइन

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शासकीय छात्रावासों में वर्ष 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। इसके लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से विशेष ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है।राज्य शिक्षा केंद्र संचालक हरजिंदर सिंह ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका एवं बालक छात्रावासों में विशेष रूप से वंचित वर्ग के बालक-बालिकाओं को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पारदर्शी ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली प्रारंभ की गई है।उन्होंने बताया कि बताया कि ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली एक समेकित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, सीट आवंटन, अभिलेख संधारण और प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए विकसित किया गया है।

मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया रचना टॉवर का दौरा

रचना टॉवर परिसर में होगा सौंदर्यीकरण, पार्क, ओपन जिम और पोल लाइट लगाने के निर्देश

भोपाल (ए.)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत स्थित रचना टॉवर परिसर का दौरा कर क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली।नागरिकों द्वारा क्षेत्र में बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं और सौंदर्यीकरण की मांग को ध्यान में रखते हुए मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को रचना टॉवर के समक्ष स्थित पेविंग के समीप सौंदर्यीकरण कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस स्थान को व्यवस्थित और आकर्षक रूप देने के लिए यहां पार्क का विकास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि पार्क के साथ ही यहां ओपन जिम की भी व्यवस्था की जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिक नियमित रूप से व्यायाम कर सकें और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती आबादी को देखते हुए इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पार्क और ओपन जिम क्षेत्र की फेंसिंग कर उसे सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाए। मंत्री श्री सारंग ने क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए रचना टॉवर के समक्ष पोल लाइट लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रचना टॉवर परिसर के सौंदर्यीकरण से संबंधित सभी कार्यों की कार्ययोजना तैयार कर शीघ्रता से कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। नागरिकों ने क्षेत्र के विकास के लिए मंत्री श्री सारंग का आभार व्यक्त किया।

मप्र में एलपीजी उपभोक्ता परेशान नहीं हो, इसके लिए लगातार प्रयास जारी : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को कहा कि प्रदेश में एलपीजी उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि किसी भी स्थिति में वितरक स्तर पर एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजारी की स्थिति निर्मित नहीं हो। मंत्री राजपूत ने कहा है कि वर्तमान में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेण्डर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है एवं आपूर्ति बनी हुई है।उल्लेखनीय है कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के कारण आयात में हुई रुकावट को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं कि एलपीजी की आपूर्ति एवं विपणन केवल घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को किया जाये। ऑयल कम्पनियों द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिये वितरण प्रणाली में कुछ उपाय शुरू किये गये हैं।अब पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद ही रिफिल बुकिंग स्वीकार की जा रही है। इसका उद्देश्य कालाबाजारी और अफरा-तफरी को रोकना तथा उपभोक्ताओं को नियमित रूप से समान वितरण सुनिश्चित करना है।

मप्र सरकार की नई पहल शुरू, सुगम संपर्कता परियोजना से एक-दूसरे से जुड़ेंगे गांव, सुगम होगा आवागमन

- मजरे-टोले और सांदीपनि स्कूलों तक बनेगी नई सड़कें

- हर जनपद पंचायत को 03 करोड़ की स्वीकृति प्रदान करने का होगा अधिकार

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने नई पहल शुरू की है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सुगम संपर्कता परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से गांव, ग्राम पंचायत और 100 से अधिक आबादी वाले मजरा-टोला तथा मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना अंतर्गत चिन्हित बस्तियों को भी सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा।

जनसंपर्क अधिकारी आर.आर. पटेल ने बुधवार को बताया कि परियोजना अंतर्गत सड़कों का निर्माण मनरेगा यानी (VB-G RAM G) योजना के माध्यम से कराया जाएगा। इसके लिए प्रदेश की प्रत्येक जनपद पंचायत को रू. 3 करोड़ तक की स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार दिया गया है। मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा सभी जनपद पंचायतों को राशि भी आवंटित कर दी गई है।परियोजना के तहत मजरे-टोले और सांदीपनि विद्यालयों तक बनने वाली सड़कों के लिए स्थान का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही सड़कों की डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार करने के लिए सिपरी सॉफ्टवेयर और आरआईएमएस का उपयोग किया जाएगा।परियोजना अंतर्गत बनने वाली सड़कों की निगरानी ड्रोन तकनीक से की जाएगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त अवि प्रसाद ने बताया कि परियोजना के तहत 28 मार्च 2026 तक डीपीआर तैयार कर उसकी तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और इस परियोजना के माध्यम से 100 से अधिक आबादी वाले मजरे-टोले तथा सांदीपनि विद्यालयों तक सड़क निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा।

जल संसाधन विभाग में टेंडर प्रक्रिया पर कांग्रेस के सवाल, फर्जी बैंक गारंटी और ठेकेदारी नेटवर्क के आरोप, जांच की मांग

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में जल संसाधन विभाग की टेंडर प्रक्रिया, सिंचाई परियोजनाओं और कथित फर्जी बैंक गारंटी के मुद्दे पर राज्य सरकार से कई सवाल किए। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस वर्ष को कृषि वर्ष घोषित किया है, लेकिन प्रदेश में कई सिंचाई परियोजनाएं ठप पड़ी हैं और किसान पानी के लिए परेशान हैं। पटवारी ने कहा कि सरकार लगातार कर्ज ले रही है और हाल ही में करीब 5800 करोड़ रुपए का नया कर्ज लिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी राशि का उपयोग किस तरह हो रहा है, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए।

टेंडर प्रक्रिया पर उठाए सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जल संसाधन विभाग की टेंडर प्रक्रिया में कुछ सीमित कंपनियों का दबदबा दिखाई देता है। उनके मुताबिक कई बड़े टेंडरों में बार-बार वही कंपनियां L1, L2 और L3 के रूप में सामने आती हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने विशेष रूप से फलोदी कंस्ट्रक्शन और गुप्ता कंस्ट्रक्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि कई बड़े टेंडरों में इन कंपनियों की लगातार मौजूदगी दिखाई देती है। गुप्ता कंस्ट्रक्शन के मालिक जगदीश गुप्ता बताए गए हैं। पटवारी ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है।

कुछ व्यक्तियों की भूमिका पर भी सवाल

पत्रकार वार्ता में उन्होंने नौशाद और अश्विन नाटू नाम के व्यक्तियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। पटवारी के अनुसार, ये सरकारी अधिकारी नहीं हैं, फिर भी विभागीय गतिविधियों में इनके नाम चर्चा में आते हैं। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों और कुछ कंपनियों के बीच संभावित व्यावसायिक संबंधों की जानकारी सामने आई है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

फर्जी बैंक गारंटी का मुद्दा

कांग्रेस ने जल संसाधन विभाग में फर्जी बैंक गारंटी के मामले की भी जांच की मांग की। पटवारी ने कहा कि जल निगम में पहले सामने आए मामले के बाद दिसंबर 2024 में ई-बैंक गारंटी प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन जल संसाधन विभाग और एनवीडीए में यह व्यवस्था अभी तक लागू नहीं की गई है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि विभाग में जमा सभी बैंक गारंटियों की जांच की जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

सिंचाई परियोजनाओं और तकनीकी कामों पर भी सवाल

पटवारी ने कुछ परियोजनाओं में तकनीकी अनियमितताओं की शिकायतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आरोप हैं कि कुछ स्थानों पर सस्ती पाइप का उपयोग कर महंगी पाइप का भुगतान निकाला गया है। यदि ऐसा हुआ है तो इसकी तकनीकी और वित्तीय जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-सिंध परियोजना को लेकर भी सरकार से जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की, खासकर पर्यावरण, आदिवासी भूमि और परियोजनाओं के लाभ के बंटवारे से जुड़े मुद्दों पर।

पटवारी ने कहा कि सरकार यदि इन मांगों पर कार्रवाई नहीं करती है, तो कांग्रेस 15 दिन बाद इस पूरे मामले को दस्तावेजों के साथ केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष रखने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि किसानों और सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होना आवश्यक है, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ किसानों तक पहुंच सके।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सागर के ग्राम जैरई में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के शुभारंभ अवसर पर जनता ने आत्मीय अभिनंदन किया

इंदौर में घरेलू गैस, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं, उपभोक्ता घबराएं नहीं : कलेक्टर शिवम वर्मा

इंदौर,(ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में घरेलू गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और आम उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में गैस आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक में यह बात कही।

बैठक में बीपीसीएल, एचपीसीएल, आईओसी, अवन्तिका के सेल्स अधिकारी, गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि, एचपीसीएल गैस प्लांट मांगलिया के मैनेजर तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए, आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी रहे। किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

जिला आपूर्ति नियंत्रक एमएल मारू ने बताया कि हाल ही में लोगों में आशंका के कारण बुकिंग में अचानक वृद्धि हुई है।

शिक्षा का मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान : विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर

के आर जी कॉलेज का वार्षिक उत्सव समारोह संपन्न

ग्वालियर (ए.)। विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि शिक्षा का जीवन में उतना ही महत्व है जितना मनुष्य के शरीर में रीढ़ की हड्डी का होता है। श्री तोमर बुधवार 11 मार्च को के आर जी कॉलेज में वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने केआरजी कॉलेज में नव निर्मित सभागार का लोकार्पण भी किया।

इस समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष जय प्रकाश राजौरिया, राजा मानसिंह तोमर संगीत विश्व विद्यालय श्रीमती स्मृति सहस्त्रबुद्धे, कॉलेज की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष अरविंद रघुवंशी, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मीना संचान सहित जन प्रतिनिधि, पूर्व प्राचार्यगण एवं बड़ी संख्या में छात्रायें उपस्थित थी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि केआरजी कॉलेज ग्वालियर-चंबल अंचल का ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश का अव्वल कॉलेज है। यहां की छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि देश ओर प्रदेशों की सरकार ने भी महिला शिक्षा के लिए अनेक सार्थक प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई शिक्षा नीति दी है। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने छात्राओं से कहा कि जीवन में शिक्षा बहुत जरूरी है लेकिन हमें अपनी संस्कृति,अध्यात्म पर भी गर्व करना चाहिए।

जिले के 52 हजार से अधिक किसानों ने गेहूं उपार्जन हेतु कराया पंजीयन 23 मार्च से जिले में शुरु होगी गेहूँ की खरीदी

कटनी (ए.)। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। 7 फरवरी से शुरू हुये पंजीयन प्रक्रिया में कटनी जिले के 52 हजार 951 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 55 पंजीयन केंद्र बनाए गए थे।पंजीयन में बहोरीबंद अग्रणी समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु तहसील बहोरीबंद में 10 हजार 826, ढीमरखेड़ा में 9 हजार 748 और विजयराघवगढ़ में 6 हजार 780 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसी प्रकार तहसील रीठी में 5 हजार 411, बड़वारा में 5 हजार 43 और बरही में 4 हजार 87 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसके अलावा तहसील कटनी नगर में 2 हजार 951 व कटनी में 2 हजार 778 किसनों ने अपना पंजीयन कराया है। 23 मार्च से शुरू होगी खरीदी कटनी जिले में समर्थन मूल्य पर 23 मार्च से गेहूँ की खरीदी शुरू होगी। इस वर्ष 2 हजार 625 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर किसानों से गेहूँ का उपार्जन किया जाएगा। केन्द्र सरकार द्वारा गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2 हजार 585 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

छिंदवाड़ा में दो ब्रांड की आइसक्रीम अमानक पाई गई, खाद्य सुरक्षा विभाग ने जारी किया नोटिस

छिंदवाड़ा, (ए.)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में दो प्रसिद्ध ब्रांड की आइसक्रीम अमानक पाई गई है। राज्यभर में चल रहे "मिलावट से मुक्ति अभियान" के

तहत लिए गए नमूनों की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।गर्मी के मौसम में आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक की खपत बढ़ जाती है, खासकर बच्चों द्वारा इनका अधिक सेवन किया जाता है। ऐसे में उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग छिंदवाड़ा लगातार शहर के छोटे-बड़े विक्रेताओं से आइसक्रीम के नमूने लेकर उनकी जांच करवा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी गोपेश मिश्रा द्वारा पिछले कुछ महीनों में विभिन्न ब्रांड की आइसक्रीम के नमूने एकत्रित किए गए थे। इनमें TOP'N TOWN ब्रांड के मुख्य वितरक जान्हवी फूड्स (सिवनी रोड) और HAVMOR ब्रांड के मुख्य वितरक सरकार डिस्ट्रीब्यूटर्स से अलग-अलग फ्लेवर के नमूने जांच के लिए भेजे गए थे।

खाली दौड़ रही ट्रेनें, रेलवे की आय और यात्री सुविधाओं पर उठ रहे सवाल

मण्डला (ए.)। मंडला और महाराजपुर क्षेत्र में पिछले 8 महीनों से ट्रेनों का परिचालन शुरू होना क्षेत्र के विकास के लिए एक सकारात्मक कदम माना गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति कुछ और ही कहानी बया कर रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि उचित प्रचार-प्रसार और अव्यावहारिक समय-सारणी के कारण ट्रेनें अक्सर खाली दौड़ रही हैं, जिससे रेलवे को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सैकड़ों वर्ष पुराने ऐतिहासिक मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन से वर्तमान में 2-3 ट्रेनों का संचालन हो रहा है। यात्रियों का कहना है कि इन ट्रेनों का समय आम जनता की सुविधा के अनुकूल नहीं है। समय सही न होने के कारण यात्री निजी साधनों का रुख कर रहे हैं और ट्रेनें खाली चल रही हैं। हाल ही में शुरू हुई जबलपुर सीधी सेवा का भी पर्याप्त प्रचार नहीं होने से यात्रियों की संख्या नगण्य बनी हुई है। थानीय समाजसेवी अखिलेश सोनी ने मांग की है कि मंडला फोर्ट से पेंचवेली एक्सप्रेस का संचालन जल्द शुरू किया जाना चाहिए। इसके साथ ही ट्रेनों में एसी और जनरल डिब्बों की संख्या बढ़ाई जाए जिससे यात्रियों को लंबी वेटिंग लिस्ट से राहत मिल सके। वहीं नितिन सोलंकी का कहना है कि जब तक ट्रेनों के समय में जनहित को ध्यान में रखते हुए बदलाव नहीं किया जाएगा, तब तक इनका लाभ आम जनता को नहीं मिल पाएगा। यात्रियों ने रेलवे पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार ट्रेनों को आउटर पर बेवजह खड़ा कर दिया जाता है, जिससे छोटी दूरी तय करने में भी 5 से 6 घंटे का समय लग जाता है। रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष अनूप मिश्रा का कहना है कि स्टेशन पर सुविधाओं का विस्तार बेहद धीमी गति से हो रहा है, जिससे यात्रियों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से रंजीत कछवाहा ने मांग उठाई है कि बिलासपुर-जबलपुर और पेंड्रा-नरसिंहपुर रेलमार्ग, जिनका सर्वे पूर्व में हो चुका है, उन पर ठोस कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। रेलवे बोर्ड को इन नए रेलमार्गों के निर्माण की रूपरेखा जल्द तैयार करनी चाहिए जिससे मंडला जिला सीधे अन्य बड़े केंद्रों से जुड़ सके। मंडला फोर्ट स्टेशन की इस बदहाली और ट्रेनों के खाली परिचालन पर अब स्थानीय जनता जनप्रतिनिधियों और रेलवे प्रशासन से ठोस जवाब और त्वरित सुधार की अपेक्षा कर रही है।

व्यापार समाचार

आईईए के रिजर्व जारी करने की रिपोर्ट्स के बीच कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे लुढ़की

नई दिल्ली (ए)। कच्चे तेल की कीमत में बुधवार को गिरावट देखने को मिली और यह 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसल गया है। इसकी वजह आईईए द्वारा इमरजेंसी रिजर्व जारी कर कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने के प्रस्ताव को माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी-ईरान युद्ध के बाद बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों को कम करने के लिए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) इमरजेंसी रिजर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति पर विचार कर रहा है।

कई रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरजेंसी रिजर्व से प्रस्तावित आपूर्ति 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद दो चरणों में जारी किए गए 182 मिलियन बैरल से अधिक होगी। जी7 देशों ने आईईए से इस तरह के कदम के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया है। इन रिपोर्ट्स के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 0.99 प्रतिशत गिरकर 86.93 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) वायदा 0.75 प्रतिशत गिरकर 82.82 डॉलर हो गया।

हाल के दिन में होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण ब्रेंट क्रूड में करीब 50 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई थी और यह 119 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया था। होर्मुज जलडमरूमध्य, मध्य पूर्व में प्रमुख समुद्री व्यापारिक मार्ग पर स्थित एक संकरा रास्ता है, जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होकर जाता है। कच्चे तेल में गिरावट की एक वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है।

हालांकि, अमेरिका-ईरान युद्ध दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और समाधान के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने या उनकी तैयारी में जुटे होने की खबरों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है। मंगलवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई बारूदी सुरंगें बिछाई हैं और हमारे पास इसकी कोई रिपोर्ट नहीं है, तो हम चाहते हैं कि उन्हें तुरंत हटाया जाए! उन्होंने आगे कहा कि बारूदी सुरंगों को हटाना सही दिशा में एक बड़ा कदम होगा!

दिसंबर के फ्लाइट संकट के बाद इंडिगो में बड़ा बदलाव, सीईओ पीटर एल्बर्स ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली ,(ए)। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इंडिगो को संचालित करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के अनुसार, यह फैसला पिछले साल दिसंबर में आए एयरलाइन के सबसे बड़े फ्लाइट संकट के कुछ महीनों बाद लिया गया है।

स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि इंटरग्लोब एविएशन के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया फिलहाल अंतरिम तौर पर एयरलाइन के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि पीटर एल्बर्स तत्काल प्रभाव से इंडिगो के सीईओ पद से हट रहे हैं। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने संगठन में उनके योगदान और सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।कंपनी ने यह भी बताया कि राहुल भाटिया तब तक एयरलाइन के कामकाज की जिम्मेदारी संभालेंगे, जब तक कंपनी नए नेतृत्व की घोषणा नहीं कर देती।

शेयर बाजार में जोरदार रिकवरी, 5 सेकंड में 4 लाख करोड़ की बारिश, इस कारण लौटी मार्केट में रौनक

मुंबई (ए)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार के कारोबारी सत्र में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। सुबह 11:45 पर सेंसेक्स 668 अंक या 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,224 और निफ्टी 198 अंक या 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,225 पर था। ओवरऑल बात करें तो क्लस्थ पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4.29 लाख करोड़ बढ़ गया है यानी निवेशकों की दौलत मार्केट खुलते ही 4.29 लाख करोड़ बढ़ गई है।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 721 अंक या 1.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 56,892 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274 अंक या 1.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,406 पर था। भारतीय शेयर बाजार में तेजी की वजह कच्चे तेल की कीमत में गिरावट को माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद, ब्रेंट क्रूड 6 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 92 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है, जो कि सोमवार को 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था।

निवेशकों की दौलत में 4.29 लाख करोड़ का उछाल

एक कारोबारी दिन पहले यानी 9 मार्च 2026 को बीएसई पर लिस्टेड

सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,41,10,262.45 करोड़ था। आज यानी 10 मार्च 2026 को मार्केट खुलते ही यह 4,45,40,192.35 करोड़ पर पहुंच गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 4,29,929.9 करोड़ बढ़ गई है।

अमेरिकी मीडिया को ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा था कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त होने के करीब है। इससे कच्चे तेल में नरमी देखने को मिली। बाजार में तेजी की एक वजह डॉलर के मुकाबले रुपए का मजबूत होना है। मंगलवार को बाजार खुलने के साथ ही अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मजबूत बना हुआ है। अब तक के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया का उच्चतम स्तर 91.72 और न्यूनतम स्तर 92.33 रहा है।

बाजार में उतार-चढ़ाव दर्शाने वाले इंडेक्स इंडिया विक्स में भी गिरावट को स्टॉक मार्केट में तेजी की वजह माना जा रहा है। खबर लिखे जाने तक इंडिया विक्स 15.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19.77 पर था।

वैश्विक बाजारों में तेजी ने भी भारतीय बाजारों में निवेशकों के सेंटीमेंट को बूस्ट किया है। सोल, हांगकांग, शंघाई, टोक्यो, बैंकॉक और जकार्ता करीब सभी एशियाई बाजार हरे निशान में खुले थे। वहीं, अमेरिकी बाजार भी सोमवार को हरे निशान में बंद हुए थे।

एलपीजी संकट के बीच भागे इंडक्शन चूल्हा बनाने वाली कंपनियों के शेयर

मुंबई(ए.)। मध्य पूर्व में तनाव के चलते एलपीजी की कमी की रिपोर्ट्स के बाद देश में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में तेजी देखी जा रही है और इससे बुधवार को होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर में तेजी देखी गई।

बटरफ्लाई गांधीमथी अप्लायंसेज के शेयर इंट्राडे में दोपहर 12:45 पर 7.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 651 रुपए पर था। दिन के दौरान शेयर ने 660 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। टीटीके प्रेस्टीज का शेयर 9.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 530 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में इसने 556 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

पिजन नाम में प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी स्टोव क्राफ्ट का शेयर 5.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 510 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर ने 525 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। दूसरी तरफ, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि एलपीजी संकट के देखते हुए शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए।

सीईईडब्ल्यू के फेलो अभिषेक कार ने कहा कि भारत अपनी एलपीजी का लगभग दो-तिहाई हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक पश्चिम एशियाई देशों जैसे यूएई, कतर और सऊदी अरब से आता है। कर ने सुझाव दिया, घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने हेतु आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करना पहला, लेकिन एक महत्वपूर्ण कदम है।

LPG किल्लत के कारण ट्रेनों में खाने की थाली पर संकट, यात्रियों को रिफंड देने की तैयारी में रेलवे

नई दिल्ली (ए.)। देशभर में गहराते एलपीजी संकट की आंच अब भारतीय रेलवे की पटरियों तक पहुंच गई है। रसोई गैस की भारी कमी के कारण इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) की खानपान सेवाएं बुरी तरह चरमरा गई हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि रेलवे अब ट्रेनों में अस्थायी रूप से पका हुआ भोजन (ष्टशश्चद्वस्र स्नशश्स्र) परोसने की सेवा बंद करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। ऐसे में जिन यात्रियों ने टिकट बुकिंग के साथ खाने का भुगतान पहले ही कर दिया है, उन्हें रेलवे रिफंड देने की योजना बना रहा है।

आईआरसीटीसी के बेस किचन में थमी आंच

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, गैस संकट का सबसे बड़ा प्रहार आईआरसीटीसी के उन बेस किचनों पर पड़ा है, जहां हजारों यात्रियों के लिए रोजाना खाना तैयार किया जाता है। आमतौर पर ट्रेनों की पेंट्री कार का इस्तेमाल केवल खाना गरम करने और वितरण के लिए होता है, जबकि मुख्य खाना इन्हीं बेस किचनों में तैयार होकर लोड किया जाता है। एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत के चलते अब इन किचनों में लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए भोजन तैयार करना लगभग नामुमकिन होता जा रहा है, जिससे पूरी सप्लाई चेन ठप होने की कगार पर है।

वैकल्पिक ईंधन और कंटिन्जेंसी प्लान लागू

संकट को देखते हुए आईआरसीटीसी ने 10 मार्च को एक आधिकारिक पत्र जारी कर अपने सभी कैटरिंग लाइसेंसधारकों, फूड प्लाजा संचालकों और जन आहार आउटलेट्स को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों को भोजन सेवा में बाधा न आए, इसके लिए तत्काल प्रभाव से 'कंटिन्जेंसी प्लान' (वैकल्पिक व्यवस्था) लागू की जाए। स्टेशनों पर स्थित रिफ्रेशमेंट रूम्स को हिदायत दी गई है कि वे एलपीजी की कमी की स्थिति में खाना पकाने के लिए अन्य वैकल्पिक ईंधन या बिजली आधारित संसाधनों का उपयोग करें।

यात्रियों के लिए बढ़ सकती है परेशानी

रेलवे के इस संभावित फैसले से उन लाखों यात्रियों को परेशानी हो सकती है जो लंबी दूरी की यात्रा के दौरान पूरी तरह रेलवे के भोजन पर निर्भर रहते हैं। हालांकि, आईआरसीटीसी का कहना है कि यह कदम मजबूरी में उठाना पड़ रहा है ताकि यात्रियों को किसी भी तरह के भ्रम या असुविधा से बचाया जा सके। यदि एक-दो दिनों में गैस आपूर्ति बहाल नहीं होती है, तो यात्रियों को घर से भोजन साथ लाने या केवल रेडी-टू-ईट (पैकेट बंद) फूड पर ही निर्भर रहना पड़ सकता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मुकदमे की कार्यवाही

हालिया न्यायिक निर्णयों ने इस धारणा की पुष्टि की है कि सरकारी एजेंसियों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल हुआ। जिन साक्ष्यों के आधार पर अभियोग दर्ज हुए, उनका सख्त न्यायिक परीक्षण हुआ, तो अधिकांश मामलों में वे टिक नहीं पाए। कथित शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और 23 अन्य अभियुक्तों के खिलाफ मामला खारिज करते हुए जज ने जो टिप्पणियां कीं, उन पर गौर करने के बाद शायद ही किसी के मन शक बचे कि ये पूरा मामला बदनीयती से गढ़ा गया था। उसके एक दिन पहले पंचकूला से जुड़े नेशनल हेराल्ड मामले में भी ऐसा ही बड़ा फैसला आया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा को क्लीन चिट दे दी। मामला पंचकूला में संस्थागत प्लॉट के दोबारा आवंटन से जुड़ा था। कोर्ट ने कहा कि हरियाणा अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने 2006 में इस निर्णय को विधिवत मंजूरी दी थी, इसलिए मामले में अनियमितता के सारे इल्जाम बेबुनियाद हैं।उसके पहले बीते दिसंबर में नेशनल हेराल्ड मामले में ही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की मनी लॉन्ड्रिंग चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। इन घटनाओं ने इस आम धारणा की पुष्टि की है कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में सरकारी एजेंसियों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल हुआ है। एजेंसियों ने जिन कथित साक्ष्यों के आधार पर अभियोग दर्ज किए, उनका जब सख्त न्यायिक परीक्षण हुआ, तो अधिकांश मामलों में वे टिक नहीं पाए। इसलिए यह अनिवार्य हो गया है कि ऐसे सारे मामलों में मुकदमे की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर चलाई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।किसी भी व्यक्ति पर सालों साल मुकदमों का साया डाले रखना या अभियुक्तों को जेल में रखना (जैसाकि दिल्ली दंगों और भीमा कोरेगांव जैसे मामलों हुआ है) किसी रूप में उचित नहीं है। इससे भारत में प्रक्रिया ही दंड है- जैसी दुर्भाग्यपूर्ण धारणा लोगों के मन में गहराती चली गई है। सर्वोच्च न्यायपालिका ने जमानत जैसे बुनियादी तकाजे के बारे में भी तत्परता ना दिखाकर ऐसी धारणा को मजबूत किया है। नतीजतन, आपराधिक न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। अत: सुप्रीम कोर्ट के लिए उचित होगा कि वह राजनीतिक प्रकृति के तमाम संदिग्ध मामलों में जल्द सुनवाई सुनिश्चित कराए।

(विचार मंथन) जंग के चलते तेल-गैस आपूर्ति संकट पर घिरती सरकार

डॉ हिदायत अहमद खान/

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पैदा हुए जंग के हालात ने पूरी दुनियां को अपने आतिशि आगोश में लेना शुरु कर दिया है। सैन्य संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते टकराव ने तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण उस समुद्री मार्ग पर बढ़ता जोखिम है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है।

स्ट्रैट ऑफ हॉर्मोज वही मार्ग है जिससे एशिया के कई देशों, जिनमें भारत, चीन और जापान प्रमुख हैं, को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस पहुंचती है। इस मार्ग के बंद होने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी हलचल पैदा कर दी है। नौ मार्च की शाम को तेल और गैस के वैश्विक बाजारों में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ गया है। भारत में इस स्थिति को लेकर चिंता के स्वर उठने लगे हैं। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है, कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि भारत ने ऊर्जा आयात के कई वैकल्पिक स्रोत और रास्ते तैयार कर रखे हैं, जिससे आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार का दावा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि उद्योगों को भी 70 से 80 प्रतिशत तक गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गैस संकट के मद्देनजर सरकार ने एस्मा की भी घोषणा कर दी है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर तेल व गैस संकट साफ नजर आने लगा है। विभिन्न राज्यों के शहरों से आने वाली खबरें और सरकार के दावे पूरी तरह मेल नहीं खाती हैं। देश के कई शहरों में रेस्टोरेंट उद्योग ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बाधा आने की शिकायतें हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की उपलब्धता कम होने और बुकिंग नियमों में बदलाव की खबरें भी आम हैं। यही कारण है कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। मामला इसलिए भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है क्योंकि संसद का बजट सत्र जारी है। ऐसे में विपक्ष इस संकट को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाना चाहता है और सरकार से स्पष्ट जवाब मांग रहा है। विपक्ष का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और देश को यह बताना चाहिए कि संकट से निपटने के लिए क्या ठोस रणनीति तैयार की गई है।

मौजूदा स्थिति की गंभीरता का अंदाजा भारत के पड़ोसी देशों की हालत से भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की कमी के चलते स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सीमाएं तय कर दी गई हैं। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार का यह कदम एक ओर भारत की क्षेत्रीय भूमिका और क्षमता का संकेत देता है, लेकिन दूसरी ओर यह सवाल भी उठाता है कि यदि वैश्विक संकट और गहरा हुआ तो क्या भारत अपनी घरेलू मांग को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसलिए मध्य पूर्व में पैदा हुआ कोई भी संकट सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। यदि तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें तेजी से बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो इसका असर परिवहन, उद्योग, महंगाई और आम उपभोक्ता के बजट पर पड़ना तय है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि भारत के पास तेल और गैस का रणनीतिक भंडार कितने दिनों के लिए पर्याप्त है। क्या सरकार के पास ऐसी ठोस योजना है जिससे लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके ?इस संदर्भ में कई लोग पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल की भी चर्चा कर रहे हैं। उनके शासनकाल में वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, लेकिन आर्थिक प्रबंधन और नीतिगत संतुलन के कारण भारत पर उसका प्रभाव न के बतौर भी नजर नहीं आया था। यही कारण है कि आज भी उस दौर को आर्थिक स्थिरता के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है। वर्तमान संकट भी कुछ वैसी ही दूरदर्शिता और संवाद की मांग करता है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आम जनता की जीवनशैली से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष को भी भरोसे में लेकर एक पारदर्शी रणनीति प्रस्तुत करे। मध्य पूर्व की जंग कब तक चलेगी, इसका अनुमान लगाना कठिन है। लेकिन यह स्पष्ट है कि यदि संकट लंबा खिंचता है तो उसके प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रह पाएगा। इसलिए समय की मांग यही है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर ऊर्जा सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बनाई जाए। यदि वास्तविक चुनौतियों को नजरअंदाज कर केवल आश्वासन दिए जाते रहे, तो हालात बिगड़ने में देर नहीं लगेगी। संकट के समय नेतृत्व की सबसे बड़ी कसौटी यही होती है कि वह सच्चाई स्वीकार करे, दूरदर्शी नीति बनाए और देश को भरोसे के साथ आगे बढ़ाए।

शिप्रा नदी में मिल रहे गंदे नाले : इस पर कब लगेगी रोक ?

डॉ. चन्दर सोनाने

मोक्षदायिनी शिप्रा नदी अपनी बदहाल स्थिति पर आँसू बहा रही है। शिप्रा में अनेक जगह पर खुलेआम नालों का गंदा पानी मिल रहा है। कोई देखने वाला नहीं है। यह स्थिति आज नहीं बनी है। अनेक वर्षों से यही हालत बनी हुई है। शिप्रा नदी अपने मोक्षदाता का इंतजार कर रही है। अब देखना यह है कि कब उसका इंतजार खत्म होगा ?

पिछले दिनों नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के संयुक्त जाँच दल ने उज्जैन के विभिन्न घाटों का भ्रमण कर नदी की बदहाली अपनी आँखों से देखी। शिप्रा की दुर्दशा को लेकर श्री रमेशचन्द्र दुबे जी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने एक संयुक्त प्रशासनिक दल का गठन किया था। एनजीटी के संयुक्त जाँच दल में तीन सदस्य थे। इनके नाम हैं- सेन्ट्रल पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के वैज्ञानिक डॉ. अनूप चतुर्वेदी, मिनिस्ट्री ऑफ इनवायरमेंट एंड फॉरेस्ट के रीजनल ऑफिस के श्री राजशेखर रेड्डी और एप्को के भोपाल के असिस्टेंट साइंटिफिक ऑफिसर डॉ. मनोज विश्वकर्मा।

एनजीटी द्वारा गठित इस जाँच दल ने पिछले दिनों दिनभर शिप्रा नदी के अलग-अलग जगहों पर जाकर मौजूदा स्थिति का जायजा लिया और एक-एक जगह की वीडियोग्राफी भी करवाई। इस संयुक्त जाँच दल को निरीक्षण के दौरान अनेक गंभीर अनियमितताएं भी मिली। इसमें प्रमुख है - वाल्मीकि धाम, ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर और मंगलनाथ मंदिर के पीछे से नालों का गंदा पानी सीधा शिप्रा नदी में मिलता हुआ दिखा।

इस जाँच दल ने गंगा घाट के पास 50 साल से अधिक पुराने और छायादार पेड़ों को मशीनों ने काटते हुए पाया। इसके साथ ही भेरूगढ़ क्षेत्र में दिल्ली दरवाजे के पास प्रिन्टींग कारखानों का दूषित और जहरीला पानी भी नदी में मिलता हुआ जाँच दल ने पाया। इस जाँच दल ने शिप्रा नदी

पर बन रहे 29 किलोमीटर लंबे घाट और 7 फीट ऊँची सुरक्षा दीवार का भी निरीक्षण किया। जाँच दल के विशेषज्ञों को डर है कि बारिश के दिनों में यह दीवारें नदी के प्राकृतिक बहाव को नुकसान पहुंचा सकती है। एनजीटी के इस जाँच दल ने रामघाट, नृसिंग घाट, गऊघाट और त्रिवेणी घाट पर पानी की गुणवत्ता मानक स्तर से काफी नीचे पाई।

एनजीटी की टीम ने अपनी जाँच में पाया कि शिप्रा को स्वच्छ बनाने के तमाम दावों के बावजूद आज भी कई बड़े नाले और औद्योगिक ईकाईयाँ निरंतर अपनी गंदगी शिप्रा नदी में बहा रहे है। रूद्र सागर क्षेत्र का गंदा नाला उज्जैन का सबसे बड़ा और चर्चित नाला है। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के दावों के बावजूद अक्सर बारिश और तकनीकी खराबी के दौरान इससे गंदा पानी सीधे रामघाट के समीप शिप्रा नदी में मिल जाता है। इसके साथ ही शमशान घाट चक्रतीर्थ और ऋमुक्तेश्वर मंदिर के समीप छोटे-बड़े कई नाले खुलेआम नदी में मिल रहे हैं। यहां के पानी का रंग काला पड़ चुका है।

शिप्रा नदी की सबसे बड़ी समस्या खान नदी है। इंदौर से आने वाली यह नदी पूरी तरह से प्रदूषित है। सरकार ने इसके लिए करीब 100 करोड़ रूपए की लागत से खान क्लोज डक्ट परियोजना बनाई थी। लेकिन रिसाव के कारण अक्सर खान नदी का जहरीला पानी त्रिवेणी संगम में शिप्रा में मिल जाता है। यहाँ पिछले अनेक सालों से मिट्टी का कच्चा बाँध बनाया जाता है, जो अक्सर हर बारिश में टूट जाता है और खान नदी का पूरा जहरीला पानी सीधा त्रिवेणी संगम पर शिप्रा नदी में मिल जाता है। कच्चे बाँध के भ्रष्टाचार के कारण आज तक यहाँ पक्का बाँध नहीं बन पाया है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के ही निवासी है और यहीं से विधायक भी है। शिप्रा की दुर्दशा उनसे छिपी नहीं है। उनसे अपेक्षा है कि शिप्रा में अनेक जगहों पर खुलेआम मिल रहे गंदे नालों के पानी पर प्रभावी और स्थायी रोक लगाए, त्रिवेणी संगम पर कच्चे बाँध की जगह पक्का बाँध बनाये और मोक्षदायिनी शिप्रा नदी को अपने नाम के अनुरूप बनी रहने दें। यदि मुख्यमंत्री जी ने शिप्रा नदी को स्वच्छ कर दिखाया तो यह उज्जैनवासियों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी सौगात होगी।

मेष राशि :आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। हार्डवेयर का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आपका स्वास्थय फिट रहने वाला है। आज विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में रूचि लेंगे। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। ट्रान्सफर में आ रही दिक्कतें आज ख़त्म होंगी, ट्रान्सफर आपकी मनपसंद जगह पर हो सकता है।

वृष राशि :आज का दिन आपको कारोबार में लाभ दिलाने वाला है। आज आपको किसी ख़ास रिश्तेदार से मिलने का मौका मिलेगा। सी - टीईटी की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की जरुरत है, सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। ग्रोसरी का कारोबार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा। जीवनसाथी से चल रही अनबन आज ख़त्म होगी, जिससे घर में शांति का माहौल बना रहेगा।

मिथुन राशि :आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको किसी प्रकार का शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। आज ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, आपका मन प्रसन्न रहेगा। मोबाइल एक्सेसरीज का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होने वाला है। आज अपने परिवार के प्रति विनम्र रहने की अवश्यकता है।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको बाहर के मसालेदार खाने से परहेज करने की जरुरत है, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में अपना पूरा फोकस काम पर रखें। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। आज माता-पिता को स्पेशल फील करायेंगे, उनकी पसंद का गिफ्ट उन्हें दे सकते हैं। आज लवमेट डिनर पर जा सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। रेस्टोरेंट का कारोबार शुरू करने का विचार बना रहे लोगों को किसी बड़े की सलाह लेनी चाहिए। आज विद्यार्थी वर्ग किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे।

कन्या राशि :आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। शिक्षकों के ट्रांसफर में आ रही परेशानी आज ख़त्म होगी। स्वास्थय के लिहाज से आप चुस्त दुरुस्त बने रहेंगे। साइबर कैफ़े का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बैंक से लोन लेने में आ रही परेशानी आज ख़त्म होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को आज सम्मानित किया जाएगा। कॉस्मेटिक का कारोबार कर रहे लोगों का आज ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सेल होगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन नए व्यापार को शुरू करने के लिए बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस से जरुरी कॉल आ सकती है, आज आपको मीटिंग अटेंड करनी पड़ सकती है। दांपत्य रिश्ते में हो रही अनबन आज ख़त्म होगी, जीवनसाथी के साथ दिन मनोरंजन से भरा रहेगा। सरकारी विभाग से जुड़े लोगों को पदोन्नति मिल सकती है।

धनु राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप वाहन खरीदने का विचार परिवार के साथ कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए आपको और मेहनत की अवश्यकता है, सफलता जरुर मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको कार्य क्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहने की जरुरत है। लवमेट को आज काफी देर तक फ़ोन पर बात करने का अवसर मिलेगा। आज वकील वर्ग को किसी केस में जीत हासिल होगी। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी पढ़ाई को गति देने की अवश्यकता है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या से काफी राहत मिलेगी। जीवनसाथी के साथ कई दिनों से चल रही गलत फहमियां आज दूर होंगी, जिससे आपका रिश्ता और मजबूत बनेगा। शिक्षकों के लिए आज का दिन उर्जा से भरपूर रहने वाला है।

मीन राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी। आज किसी पर अधिक भरोसा करने से पहले उसे अच्छे से जान लें। विद्यार्थियों को अपने करियर का चुनाव करने का सही समय है। ऑनलाइन बिजनेस कर रहे लोगों को आज बड़ा आर्डर मिलने के योग है। इस राशि के लोगों को आज वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की अवश्यकता है।

साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बटे

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ जो हो रहा है वह भारतीय समाज के अंदर पल रही एक बड़ी बीमारी का लक्षण है। वह बीमारी धार्मिक और सामाजिक विभाजन की है, जिसे राजनीतिक लाभ के लिए बढ़ाया जा रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि देश और समाज इस कदर निभाजित हुआ है। पहले समाज के स्तर पर विभाजन चुनावों के समय दिखते थे। हालांकि वह भी बहुत सीमित होता था। लेकिन आज स्थायी रूप से एक विभाजन दिखता है और दुर्भाग्य की बात यह है कि नेताओं के साथ साथ धर्मगुरु, आध्यामिक कार्यों में लगे लोग और साधारण से लेकर शंकराचार्य के स्तर तक साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे हुए हैं।

लोग साधु, योगी और कथावाचक की जाति खोज ले रहे हैं और फिर उस आधार पर उसके समर्थन या विरोध में खड़े हो जाते हैं। लेकिन यह किसी स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत नहीं हो रहा है। केंद्र की मौजूदा सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित तरीके से इस विभाजन को बढ़ा रही है। शंकराचार्य का मामला और यूजीसी की नियमावली इसके दो ताजा संकेत हैं।

बहरहाल, यह दुर्भाग्य है कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और इसके 140 करोड़ लोगों के नैतिक, धार्मिक या आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करने वाले साधु या संत या धर्मगुरू खोजने से नहीं मिलेंगे लेकिन नफरत फैलाते साधु संत चारों तरफ मिल जाएंगे। इतिहास में कभी भी भारत की आध्यात्मिक परंपरा ऐसी नहीं रही थी। ईसाई धर्मगुरू भड़काऊ बातें करते थे और झूठे सच्चे वादे करके धर्म परिवर्तन कराते थे या इस्लाम के प्रचारक मौलाना आदि भड़काऊ भाषणों से लोगों को उकसाते थे, जिहाद के लिए प्रेरित करते थे लेकिन हिंदू साधु संत इस तरह के काम नहीं करते थे। यह अंतर बहुत साफ दिखता था और ऐसा इसलिए भी है क्योंकि

बुनियादी रूप से ईसाई और इस्लाम दोनों राजनीतिक धर्म हैं, जो लालच या भय से फैलाए गए हैं। महात्मा गांधी ने साम्राज्यवाद को फैलाने वाली शक्तियों के तौर पर ईसाई पादरियों और चर्च को रेखांकित किया था। उन्होंने कहा था कि पहले इनके पादरी आते हैं, फिर इनके व्यापारी आते हैं और अंत में इनकी सेना आती है। इसी तरह इस्लाम तलवार के दम पर फैलता है यह आरोप अक्सर लगते रहते हैं।

लेकिन इस तरह की बातें हिंदू धर्म को लेकर नहीं कही जाती हैं तो इसका कारण यह था कि हिंदू धर्म के शंकराचार्य हों या दूसरे साधु संत हों वे समाज सुधार के कार्यों में रहते थे या धार्मिक अनुष्ठानों और आध्यात्मिक श्रेष्ठता प्राप्त करने के उपक्रमों में रहते थे। समय के साथ साथ इसमें बड़ा बदलाव आया है। अब भारत के साधु संत खुल कर राजनीति की बातें करते हैं। पार्टियों और नेताओं का समर्थन करते हैं। पांच हजार साल की सनातन परंपरा से अलग हट कर इस या उस नेता को हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में रेखांकित करते हैं। सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली बातें करते हैं। जाति और धर्म को लेकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं, जैसी टिप्पणी करने से नेता भी हिचकते हैं। देश के सम्मानित माने जाने वाले साधु संत महिलाओं को लेकर ऐसी अनर्गल बातें करते हैं, जिन्हें सुन कर सिर शर्म से झुक जाता है।

आज साधु संतों का आकलन उनकी योग्यता या धार्मिक, आध्यात्मिक उपलब्धियों के आधार नहीं किया जाता है, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि उसके आश्रम में कितनी भीड़ जुटती है, उसके आगे पीछे कितनी गाड़ियां चलती हैं, उसके आश्रम में कौन नेता, अभिनेता या खिलाड़ी पहुंचा, उसे कैसी सुरक्षा मिली हुई है आदि आदि। अगर धर्मगुरू चार्टर्ड फ्लाइट से चलता है तो वह सर्वश्रेष्ठ मान लिया जाएगा भले उसकी बातें कितनी भी मूर्खतापूर्ण और समाज का विभाजन करने वाली क्यों न हों। यह स्थिति एक राष्ट्र और समाज के रूप में भारत को रसातल में ले जा रही है।

बहरहाल, विषयांतर हो गया लेकिन प्रयागराज वे माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के साथ जो हुआ और अब जिस तरह से एक दूसरे संत के हिस्ट्रीशीटर शिष्य द्वारा उनके खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगा कर मुकदमा दर्ज कराया गया है वह इस गंभीर व्याधि का एक लक्षण है। सबको पता है कि अविमुक्तेश्वरानंद वाचाल हैं। वे शंकराचार्य स्वरूपानंद के शिष्य हैं और अपने गुरू की तर्ज पर खूब बयानबाजी भी करते हैं। उनके बयान अक्सर भाजपा और उसकी केंद्र व राज्यों की सरकारों के खिलाफ होते हैं। उन्होंने पिछले साल के कुंभ मेले में हुई भगदड़ और उसकी मौतों को लेकर तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। इस आधार पर उनको भाजपा विरोधी और कांग्रेस समर्थक साधु माना जाता है।

हालांकि वे कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के खिलाफ भी बोलते रहते हैं। प्रयागराज में उनके साथ जो हुआ और उसके बाद से जो हो रहा है वह उनकी राजनीतिक सक्रियता से जुड़ा हुआ है। शुरुआत मौनी अमावस्या के दिन हुई, जब वे अपनी पालकी से शाही स्नान के लिए जा रहे थे और उनकी पालकी रोक दी गई है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 12 मार्च 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

प्रदेश भाजपा कोर कमिटी ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' की तरफ से खन्ना को अवार्ड मिलने पर किया सम्मानित

होशियारपुर(आरएनएस)। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' पंजाब चैप्टर के सी.ई.ओ. संदीप डोगरा द्वारा पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना को उनकी उत्कृष्ट जनसेवाओं के लिए अवार्ड देने की खुशी में पंजाब भाजपा कोर कमिटी ने खन्ना को सम्मानित किया।

इस मौके प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ तथा कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने संयुक्त तौर पर कहा कि खन्ना ने सदैव पार्टी की मजबूती और पार्टी की गतिविधियों को नयी गति देने का प्रयास करते रहते हैं और वे राजनीति के साथ साथ मानवता की सेवा को भी प्राथमिकता देते हैं जिसके चलते खन्ना को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' की और से अवार्ड से नवाजा गया है। इस मौके वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' पंजाब चैप्टर के सी.ई.ओ. संदीप डोगरा द्वारा खन्ना को सम्मानित करने पर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया तथा ने अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी खन्ना को बधाई दी।

116 करोड़ के बैंक घोटाले पर राज्यपाल सख्त; बोले: पैसे की रिकवरी का मतलब माफी नहीं

चंडीगढ़(आरएनएस)। चंडीगढ़ के प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल ने आईडीएफसी बैंक से जुड़े 116 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय घोटाले पर अपना कड़ा रुख स्पष्ट कर दिया है। राज्यपाल ने दो टूक शब्दों में कहा है कि प्रशासन की मुस्तैदी से रकम तो वापस मिल गई है, लेकिन यह किसी भी दोषी के लिए क्लीन चिट नहीं है। राजभवन में मीडिया से बात करते हुए राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि प्रशासन ने पूरे रिकॉर्ड की गहन जांच कर ली है। उन्होंने कहा: अगर सरकारी खजाने से पैसा बाहर गया है, तो निश्चित रूप से किसी न किसी स्तर पर बड़ी चूक या मिलीभगत हुई है। केवल पैसे वापस आ जाना किसी को सजा से बचाने का आधार नहीं बन सकता।

राज्यपाल ने जानकारी दी कि इस पूरे मामले में लापरवाही और धोखाधड़ी की जिम्मेदारी तय करने के लिए FIR दर्ज करवाई जा चुकी है। उन्होंने प्रशासन के इस कदम को भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति बताया।

दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा

राज्यपाल ने जनता को भरोसा दिलाया कि इस मामले की तह तक जाकर यह पता लगाया जा रहा है कि आखिर इतनी बड़ी रकम बैंक से बाहर कैसे गई। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मामले के किसी भी तथ्य को छिपाया नहीं जाएगा।

एनसीआर में बढ़ रही गर्मी, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 'रेड जोन' के करीब

नोएडा(आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर में मार्च की शुरुआत के साथ ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। दिन के साथ-साथ अब रात के तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान 36 से 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। मौसम का पूर्वानुमान बताता है कि आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा, हालांकि फिलहाल किसी तरह की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। वहीं दूसरी ओर बढ़ती गर्मी के साथ-साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी चिंताजनक स्तर की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई क्षेत्रों में एक्यूआई 'खराब' से लेकर 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गया है, जबकि कुछ स्थानों पर यह रेड जोन की सीमा तक पहुंच चुका है।

दिल्ली के विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो अलीपुर में एक्यूआई 239, आनंद विहार में 277, अशोक विहार में 262 दर्ज किया गया है। वहीं आया नगर में एक्यूआई 180 और कैंटोनमेंट क्षेत्र में 174 रहा, जो अन्य क्षेत्रों के मुकाबले अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। इसके अलावा बवाना में एक्यूआई 283, बुराड़ी क्रॉसिंग में 239, चांदनी चौक में 292, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 243 तथा सीआरआरआई मथुरा रोड क्षेत्र में एक्यूआई 207 दर्ज किया गया है।

नोएडा की स्थिति भी कुछ बेहतर नहीं है। यहां सेक्टर-125 में एक्यूआई 246, सेक्टर-62 में 184, सेक्टर-1 में 268 और सेक्टर-116 में 247 दर्ज किया गया है। इनमें से कई इलाके 'खराब' श्रेणी में बने हुए हैं। ग्रेटर नोएडा में स्थिति और ज्यादा चिंताजनक देखी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री का दावा बोले- घबराने की जरुरत नहीं है हमारे पास ईंधन के पर्याप्त और पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली(ए.)। पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता के बावजूद, केंद्र सरकार ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि भारत में ईंधन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संभावित सप्लाई बाधाओं को लेकर चिंताओं को दूर करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार मौजूदा अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। उन्होंने तिरुचिरापल्ली में मीडिया से बात करते हुए कहा कि घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित रखने के लिए संबंधित विभाग लगातार वैश्विक घटनाक्रमों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईंधन की बिल्कुल भी कमी नहीं है और स्थिति की बहुत बारीकी से निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर होटल और रेस्टोरेंट संचालकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने स्वीकार किया कि युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, क्योंकि भारत अपनी तेल आवश्यकता का लगभग 80-90प्रतिशत हिस्सा मध्य पूर्व के देशों से आयात करता है। उन्होंने बताया कि इस संकट के समाधान के लिए पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से चर्चा की गई है और सरकार व्यवसायों

पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए सक्रिय है। साथ ही, युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं।बाजार को स्थिर करने के लिए केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने रिफाइनरियों को निर्देश दिया है कि वे एलपीजी उत्पादन को अधिकतम करें और प्रमुख हाइड्रोकार्बन को एलपीजी पूल की ओर मोड़ें। नई व्यवस्था के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। घरों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस और वाहनों के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। वहीं, औद्योगिक क्षेत्रों को उनकी औसत खपत का 80 पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और उर्वरक संयंत्रों को 70 पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता हिस्सा आवंटित किया जा रहा है। आपूर्ति संतुलन बनाए रखने के लिए रिफाइनरियों की गैस आपूर्ति में 35 प्रतिशत की कटौती की गई है। यह सुरक्षात्मक कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं जब होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के कारण लॉजिस्टिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। भारत का करीब 30 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात इसी मार्ग से होता है, जहां युद्ध के कारण जोखिम बढ़ गया है। हालांकि, जमीनी स्तर पर छोटे खाद्य व्यवसायी अभी भी कमर्शियल सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर चिंतित हैं। वैश्विक स्तर पर स्थिति इसलिए गंभीर है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। सरकार अब अल्पावधि की कमी को दूर करने के लिए वैकल्पिक व्यापार मार्गों की तलाश कर रही है ताकि ऊर्जा सुरक्षा अक्षुण्ण रहे।

सीएम योगी को प्रस्तुत किया गया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का एयरोड्रम लाइसेंस

लखनऊ(आरएनएस)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर भारत सरकार की ओर से जारी एयरोड्रम लाइसेंस प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पूरा हो गया है। इस लाइसेंस के बाद अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन समेत वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी भी दी। अधिकारियों के अनुसार एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद अब नियामकीय स्वीकृतियों की अंतिम प्रक्रिया जारी है। एयरपोर्ट का एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम इस समय ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के पास समीक्षा के लिए लंबित है। सुरक्षा से जुड़ी यह मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर औपचारिक उद्घाटन और वाणिज्यिक संचालन की तिथि तय करेगा। गौतमबुद्ध नगर के जेवर में विकसित हो रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है।इस एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जहां स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य का समन्वय देखने को मिलेगा।

नवरात्रि स्पेशल : 15 दिन तक लगता है भव्य मेला, भक्तों की हर मुराद पूरी करती है मां बाला सुंदरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। 19 मार्च से देशभर में चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है, और ऐसे में हर देवी मंदिर में खास तैयारी होने लगती है। देश के कई ऐसे मंदिर हैं, जहां चैत्र नवरात्रि के आगमन के साथ ही मेले की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के त्रिलोकपुर में महामाया का देवी मां बाला सुंदरी मंदिर स्थित है, जहां 15 दिनों तक मेले का आयोजन चलता है।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के त्रिलोकपुर में महामाया की देवी मां बाला सुंदरी का मंदिर है, जहां दर्शन मात्र से ही भक्तों के पाप कट जाते हैं। मां बाला सुंदरी जी को शक्ति, समृद्धि और सुरक्षा की देवी के रूप में पूजा जाता है। ऐसा माना जाता है कि उनकी कृपा से आर्थिक कठिनाइयों से मुक्ति मिलती है और पारिवारिक जीवन में शांति और शत्रुओं से छुटकारा मिलता है। लोगों का मानना है कि कोई भी सच्चा भक्त अपने मंदिर से खाली हाथ नहीं लौटता।

मंदिर के गर्भगृह में मां की अष्टभुजी प्रतिमा और पिंडी विराजमान हैं, जो अस्त्र और शस्त्र के साथ भक्तों को बाल्यावस्था रूप में दर्शन देती हैं। माना जाता है कि मां की पिंडी स्वयंभू है जो कि भक्त लाला रामदास को नमक की बोरी में मिली थी, और उन्होंने स्वप्न में आकर भक्त को मंदिर के निर्माण का आदेश दिया था। मान्यता के अनुसार, 1573 ईस्वी में लाला रामदास नामक एक स्थानीय दुकानदार को देवी मां की पिंडी स्वरूप में दर्शन दिए थे। दुकानदार नमक की बोरी को यूपी के सहारनपुर से लेकर आया था और त्रिलोकपुर में आकर मां का मंदिर बनवाया था।

स्थानीय मान्यता के मुताबिक लाला रामदास के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह मंदिर का निर्माण कर सकें। ऐसे में उन्होंने सिरमौर के राजा

प्रदीप प्रकाश की मदद ली, जिसके बाद भव्य मंदिर का निर्माण हो सका। इसके बाद मंदिर को रखरखाव और जीर्णोद्धार का काम राजा फतेह प्रकाश और राजा रघुबीर प्रकाश ने कराया था। देवी मां बाला सुंदरी को राजपूतों की कुलदेवी भी माना जाता है, जो हमेशा विजय का वरदान देती हैं।

चैत्र नवरात्रि में भक्त भारी संख्या में मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। यहां 15 दिन तक लगने वाला मेला भी भक्तों के आकर्षण का बड़ा केंद्र होता है। नौ दिन तक मां के अद्भुत शृंगार के साथ दर्शन होते हैं।

दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू ने शपथ ग्रहण से पहले नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

दिल्ली हाई कोर्ट में वकीलों की कैंटीन में नहीं बनी दाल-चावल एलपीजी सिलेंडर सप्लाई प्रभावित

नई दिल्ली (ए)। दिल्ली हाई कोर्ट में वकीलों की कैंटीन के मैनेजर ने बताया कि कई जगह प्रयास किया लेकिन गैस नहीं मिली। कब तक सिलेंडर आएगी इसका कुछ पता नहीं। दिल्ली हाई कोर्ट के वकीलों की कैंटीन में 11 मार्च गैस सिलेंडर की कमी की वजह से मेन कोर्स का खाना नहीं बन पाया। कैंटीन प्रबंधन ने बताया कि फिलहाल उनके पास एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए आज मेन कोर्स परोसा नहीं जा सकेगा। कैंटीन की ओर से कहा गया है कि अभी यह भी साफ नहीं है कि गैस सप्लाई कब तक बहाल होगी। जैसे ही एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध होंगे, मेन कोर्स की तैयारी फिर से शुरू कर दी जाएगी। इस वजह से आज कैंटीन में आने वाले वकीलों और अन्य लोगों को मेन कोर्स के बिना ही काम चलाना पड़ेगा। कैंटीन प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि गैस सप्लाई जल्द शुरू हो जाएगी, जिसके बाद खाने की पूरी व्यवस्था सामान्य हो जाएगी। दिल्ली हाई कोर्ट में वकीलों की कैंटीन के मैनेजर मोहर सिंह ने कहा गैस नहीं आई तो हमने आइटम बंद कर दिया है। लंच का जो आइटम था उसे बंद कर दिया है। ब्रेक फास्ट चल रहा है। लंच में दाल-चावल, कढ़ी-चावल, राजमा-चावल, छोले-चावल, चिकेन, बिरयानी ये सब बंद कर दिया है। आगे से गैस नहीं आ रही है। हमने काफी जगह कोशिश की लेकिन गैस नहीं आया। कब तक सिलेंडर आने की उम्मीद है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कोई पता नहीं है। करीब हजार की संख्या में रोजाना वकील यहां लंच करते थे। अभी हम पनीर सलाद, चिकेन सलाद, सैंडविच ये चीजें दे रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की लत पड़ी महंगी, बेटे ने पिता को मुआवजे में मिले 1.77 करोड़ रुपए गंवाए; फिर निगला जहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑनलाइन गेमिंग और जल्दी मुनाफा कमाने के लालच में एक युवक द्वारा बड़ी रकम गंवाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के झबरेड़ा थाना क्षेत्र के 18 वर्षीय युवक ने ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसकर अपने किसान पिता के 1.77 करोड़ रुपये ठगों को ट्रांसफर कर दिए। शिकायत के आधार पर देहरादून स्थित साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में अभिमन्यु ने बताया कि जनवरी 2025 में उसने प्ले स्टोर से स्पोर्ट्स बाजी, प्रोबो और ड्रीम11 जैसी गेमिंग ऐप डाउनलोड कर उनमें पैसे लगाना शुरू किया। जून 2025 में इन ऐप्स के बंद होने के बाद उसे यूट्यूब पर विन अड्डा नाम की एक गेमिंग वेबसाइट का विज्ञापन दिखाई दिया। वेबसाइट पर अपनी जानकारी दर्ज करने के बाद उसके व्हाट्सऐप पर विदेशी कोड (+237, +234, +94 आदि) वाले अनजान नंबरों से कई तथाकथित वीआईपी लिंक आने लगे।

ठगों ने उसे कम पैसे लगाकर दोगुना मुनाफा कमाने का झांसा दिया।

शुरुआत में मामूली लाभ देकर उसका भरोसा जीत लिया गया। इसके बाद युवक ने अपने और अपने पिता के पंजाब नेशनल बैंक, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के कुल पांच खातों से यूपीआई के जरिए रकम ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच उसने करीब 1.77 करोड़ रुपये ठगों के खातों में भेज दिए।

जब युवक ने अपनी मूल रकम और मुनाफा वापस मांगा तो जालसाजों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया और उल्टे और पैसे जमा कराने का दबाव बनाने लगे। ठगी का अहसास होने पर युवक ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया, हालांकि समय रहते उसकी जान बचा ली गई।

साइबर क्राइम थाने के एएसपी कुश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। युवक ने जिस मोबाइल फोन से पैसे ट्रांसफर किए थे, उसे भी वह बाद में बेच चुका है।

एसएससी एसटीएफ अजय सिंह के अनुसार, पीड़ित का परिवार किसान है और युवक बीसीए का छात्र है। उसके पिता को दून-दिल्ली एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित जमीन का मुआवजा मिला था, जिसकी बड़ी रकम इस ठगी में चली गई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'जल महोत्सव 2026' में लिया हिस्सा

नई दिल्ली,(ए.)। भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बुधवार को दिल्ली में आयोजित जल महोत्सव 2026 कार्यक्रम में भाग लिया और जल संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पानी बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।राष्ट्रपति मुर्मू ने इस अवसर पर लोगों से अपील की कि जल संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी के संसाधन सुरक्षित रखे जा सकें। राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद जताई कि 'जल महोत्सव' देश में पानी की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने का एक बड़ा अभियान बनेगा। उन्होंने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ-साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी बेहद जरूरी है।

पंजाब विधानसभा में मेडिकल कॉलेज के मुद्दे पर घमासान, सत्ता पक्ष और विपक्ष हुए आमने-सामने

चंडीगढ़(आरएनएस)। पंजाब विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान मेडिकल कॉलेजों के निर्माण के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि मंत्री और सत्तारूढ़ दल के विधायक विपक्ष के नेता को ललकारते हुए सदन के वेल तक पहुंच गए, जिसके बाद कुछ समय तक दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक जारी रही। दरअसल कांग्रेस विधायक Tript Rajinder Singh Bajwa ने स्वास्थ्य मंत्री से सवाल पूछा कि मौजूदा सरकार ने पंजाब में अब तक कितने मेडिकल कॉलेज बनाए हैं। स्वास्थ्य मंत्री के जवाब से असंतुष्ट बाजवा ने कहा कि उनका सवाल केवल सरकार द्वारा बनाए गए मेडिकल कॉलेजों से जुड़ा था। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर भी सरकार के सहयोग से ही मेडिकल कॉलेज बनाता है।

मंत्री ने यह भी दावा किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मेडिकल कॉलेजों में 900 से अधिक सीटें बढ़ाई गई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के लगभग 40 वर्षों के शासनकाल में भी इतने कॉलेज और सीटों का विस्तार नहीं हुआ था। इस बयान पर विपक्ष के नेता Pratap Singh Bajwa ने कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र में बने मेडिकल कॉलेजों को अपनी उपलब्धि बताकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उनके मुताबिक सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि वास्तव में कितने मेडिकल कॉलेज सीधे सरकारी पहल पर स्थापित किए गए हैं।

अमन अरोड़ा जब बीच में बोलने लगे तो बाजवा ने किया एतराज

अपने मंत्री का बचाव करने के लिए पार्टी प्रधान और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा जब बीच में बोलने लगे तो प्रताप सिंह बाजवा ने एतराज किया कि वह किस कैपेसिटी में जवाब दे रहे हैं। वह ना तो मुख्यमंत्री हैं और ना ही स्वास्थ्य मंत्री। इस पर स्पीकर ने कहा कि सरकार में सभी मंत्रियों की जवाबदेही होती है।

एडवेंचर टूरिज्म का नया हब बनेगा यूपी, पर्यटन नीति के तहत निवेशकों को बड़ा न्योता

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश को रोमांचक और अनुभव आधारित पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। गर्मियों के मौसम में पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम देने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग ने उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 के तहत एडवेंचर टूरिज्म परियोजनाओं में निवेश के लिए उद्यमियों, संस्थाओं और निजी क्षेत्र को आमंत्रित किया है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश को देश के प्रमुख एडवेंचर टूरिज्म गंतव्यों में शामिल करना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि राज्य में पर्यटन को केवल दर्शनीय स्थलों तक सीमित न रखकर उसे रोमांचक अनुभवों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक और प्राकृतिक विविधता एडवेंचर टूरिज्म के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करती है और निजी क्षेत्र की भागीदारी से इसे नई पहचान दी जाएगी। पर्यटकों की बदलती रुचियों और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए एडवेंचर टूरिज्म गतिविधियों को तीन प्रमुख श्रेणियों—भूमि आधारित, जल आधारित और वायु आधारित—में विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके माध्यम से युवाओं और रोमांच प्रेमी पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ-साथ प्रदेश के पर्यटन परिदृश्य को भी नई दिशा देने का लक्ष्य है। भूमि आधारित एडवेंचर टूरिज्म के अंतर्गत एटीवी (ऑल-टेरेन व्हीकल) टूर, बंजी जंपिंग, साइकिलिंग टूर, जीप सफारी और मोटरसाइकिल टूर जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। इन गतिविधियों के जरिए रोमांच पसंद पर्यटकों को नया अनुभव देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।जल आधारित एडवेंचर टूरिज्म के तहत कयाकिंग, राफ्टिंग, रिवर क्रूज़िंग और आधुनिक वाटर स्पोर्ट्स सेंटर विकसित करने की योजना है, जिससे नदियों और जलाशयों से जुड़े क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियां बढ़ सकेंगी। वहीं वायु आधारित एडवेंचर टूरिज्म के अंतर्गत हॉट एयर बैलूनिंग, पैराग्लाइडिंग और स्काईडाइविंग जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप दुर्गापाल, प्रकाश झा की सीरीज संकल्प से करेंगी डेब्यू

स्वरागिनी, कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, और बालवीर जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज संकल्प में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी। अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी। अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है।

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 का नया दमदार पोस्टर जारी, ईश्वर के प्रकोप का दिया संकेत, फैंस हुए उत्साहित

निर्देशक आदित्य धर ने फिल्म धुरंधर: द रिवेंज (धुरंधर 2) का नया पोस्टर जारी करके फैंस को उत्साहित कर दिया है। यह पोस्टर 19 मार्च 2026 से पहले जारी किया गया है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फैंस पोस्टर में रणवीर सिंह के दोनों लुक को लेकर काफी उत्सुक हैं।

धुरंधर 2 के नए पोस्टर में रणवीर सिंह दो अलग-अलग किरदारों में दिख रहे हैं- जसकिरत सिंह रंगी और हमजा अली मजारी। उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, ईश्वर का प्रकोप आ रहा है। फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित हैं।

फैंस धुरंधर 2 में रणवीर सिंह के लुक को देखकर बहुत खुश हैं। सोशल मीडिया पर लोग तारीफ कर रहे हैं और फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ ही फैंस पोस्टर और फिल्म को लेकर अपनी राय पेश कर रहे हैं।

धुरंधर: द रिवेंज 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। यह हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में दुनिया भर के सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। ट्रेलर 7 मार्च को रिलीज हुआ था। ट्रेलर में दिखाया गया है कि यह फिल्म पहले भाग से ज्यादा बड़ा, रहस्यमयी और एक्शन से भरी होगी। कहानी में रणवीर सिंह एक गुप्त भारतीय जासूस की भूमिका में हैं, जो पाकिस्तान के खतरनाक अपराधियों और राजनीतिक गिरोहों में घुसकर भारत पर हमले रोकते हैं। यह कहानी असली घटनाओं से प्रेरित है। दूसरे भाग में कहानी आगे बढ़ती है, जिसमें ज्यादा ड्रामा और धमाकेदार एक्शन है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, सारा अर्जुन, राकेश बेदी, गौरव गेरा और दानिश पंडोर जैसे कलाकार हैं।

भावना अजवानी ने मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा को कहा अलविदा

स्टार प्लस का मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा अपने ड्रामाटिक ट्विस्ट और इमोशनल स्टोरीलाइन से दर्शकों को बांधे हुए है। शो के मेकर्स ने हाल ही में एक नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें आने वाले एपिसोड में एक बड़े डेवलपमेंट के बारे में बताया गया है। प्रोमो में दिखाया गया है कि शो जल्द ही एक साल का लीप लेगा, जिससे कहानी में एक नया फेज आएगा। प्रथाना की अचानक मौत के बाद, अनुपमा गोवा में एक नया सफर शुरू करेगी। यह लीप कहानी में एक टर्निंग पॉइंट लाएगा क्योंकि सेंट्रल कैरेक्टर एक मुश्किल दौर का सामना करने के बाद जिंदगी में आगे बढ़ता है। नई सेटिंग और ट्रैक से कहानी में नए डेवलपमेंट आने की उम्मीद है। आने वाले लीप से शो की कास्ट में भी बदलाव आएगा। कहानी आगे बढ़ने पर एक कैरेक्टर की जगह कोई और ले लेगा। प्रेरणा, जिसे पहले भावना अजवानी ने निभाया था। वह शो से बाहर हो जाएगी।प्रेरणा का कैरेक्टर दिसंबर 2025 में अनुपमा में आया और जल्द ही स्टोरीलाइन का एक अहम हिस्सा बन गया। उनके रोल को एक नए कैरेक्टर के तौर पर इंट्रोड्यूस किया गया, जिसने प्रेम और राही के बीच टेंशन पैदा की। शो में प्रेरणा को विलेन के किरदार में दिखाया गया था। उसकी मौजूदगी ने प्रेम और राही के रिश्ते में मुश्किलें बढ़ा दी थीं, जिसे कहानी में नया मोड़ देखे को मिला था। मार्च 2026 की स्टोरीलाइन में दिखाया गया कि प्रेरणा प्रेम से प्यार करने लगती है, जिसे प्रेम और राही की शादीशुदा जिंदगी में हलचल मच जाती है।आने वाले एक साल के लीप और कास्ट में बदलाव के साथ मेकर्स अनुपमा की कहानी को एक नई दिशा में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। गोवा में शिफ्ट होने और नए डेवलपमेंट की शुरुआत से आगे के एपिसोड में नए ट्विस्ट आने की उम्मीद है। बता दें कि प्रेरणा का किरदार पहले भावना अजवानी ने निभाया था।

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह का नया दमदार सिंगल कॉलर एथारा का प्रोमो जारी

पवन कल्याण की उस्ताद भगत सिंह 19 मार्च 2026 को एक शानदार रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्म ने हाल ही में आज अपनी सेंसर फॉर्मैलिटीज़ पूरी कीं और इसे यू/ए सर्टिफिकेट मिला।फिल्म में श्रीलीला और राशि खन्ना फीमेल लीड रोल में हैं। मेकर्स ने आज कुछ मिनट पहले नए सिंगल कॉलेरी एथारा का प्रोमो रिलीज़ किया। डिटेल्स शेयर करते हुए, मेकर्स ने पोस्ट किया वॉल्यूम बढ़ाओ...और नाचना शुरू करो एथारा एथारा कॉलर आई एथारा उस्तादभगतसिंह तीसरा सिंगल #कॉलरआईएथारा गाने का प्रोमो अब आ गया है.देवी श्री प्रसाद ने पैरों को थिरकाने वाली मास बीट्स बनाईं, जबकि राम मिरियाला ने जोश भरे अंदाज़ में गाना गाया। गाने के बोल कसारला श्याम ने लिखे हैं। यह गाना पवन कल्याण की बहादुरी को दिखाता है ताकि उनके सभी फैंस खुश हो जाएं।

सितारे जमीन पर ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार, सोनी लिव पर होगा प्रीमियर

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। काफी लंबे इंतजार के बाद निर्माताओं ने आखिरकार इसे ओटीटी पर उपलब्ध कराने का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। सितारे जमीन पर, 2007 में आई सुपरहिट फिल्म तारे जमीन पर की दूसरी किस्त है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा, आशीष पेंडसे, अरूश दत्ता, आयुष भंसाली, ऋषि शाहनी, ऋभ जैन और नमन मिश्रा जैसे सितारे भी मौजूद हैं।करीब 9 महीने के लंबे इंतजार के बाद, आमिर की सितारे जमीन पर सोनी लिव पर दस्तक देने वाली है। निर्माताओं ने आधिकारिक पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, टिंगू बास्केटबॉल कोच, 10 तूफानी सितारे और उनकी यात्रा। देखें सितारे जमीन पर, सबका अपना अपना नॉर्मल है, जल्द ही सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग। बता दें, फिल्म के पहले भाग तारे जमीन पर को नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर देखा जा सकता है।आर.एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित सितारे जमीन पर गुलशन अरोरा (आमिर) की कहानी है जो बास्केटबॉल कोच है। नशे में आकर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने के चलते उसे सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई जाती है। यहीं से गुलशन की जिंदगी बदल जाती है, क्योंकि उसकी जिंदगी में 10 दिव्यांग बच्चे आते हैं

'द केरल स्टोरी 2' ने दूसरे मंडे भी मचाया गदर, 11 दिनों में 17 फीसदी से ज्यादा कमा डाला प्रॉफिट?

'द केरल स्टोरी 2' यह साबित कर रही है कि रेलिवेंट कंटेंट कभी निराश नहीं करते! अपने कॉनट्रोवर्शियल सब्जेक्ट के बावजूद ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार परफॉर्म कर रही है. उल्का गुप्ता स्टारर इस सोशल ड्रामा ने अपने पहले 10 दिनों में शानदार परफॉर्म करते हुए न केवल अपनी पूरी लागत वसूल कर ली है बल्कि अब ये प्रॉफिट भी कमा रही है. इसी के साथ जान लेते हैं कि इस फिल्म ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे मंडे को कितना कलेक्शन किया है?

'द केरल स्टोरी 2' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है. हालांकि कानूनी मुश्किलों से निकलने के बाद ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने महज 75 लाख से खाता खोला था. हालांकि इसके बाद दूसरे दिन से इस फिल्म ने रफ्तार बढ़ाई और पहले हफ्ते में इसका कलेक्शन 22.34 करोड़ रुपये रहा. इसके बाद इस फिल्म ने 8वें दिन 2.7 करोड़ कमाए. फिर 9वें दिन फिल्म का कलेक्शन 3.75 करोड़ रुपये रहा और 10वें दिन की कमाई 3.3 करोड़ रुपये रही. वहीं अब दूसरे मंडे को यानी 11वें दिन इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की जा रही है.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'द केरल स्टोरी 2' ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे मंडे को 1.85 करोड़ रुपये कमाए हैं.इसी के साथ इस फिल्म की 11 दिनों की कुल नेट कमाई 34.70 करोड़ रुपये हो गई है.

वहीं 'द केरल स्टोरी 2' का भारत में 11 दिनों का ग्रॉस कलेक्शन 40.61 करोड़ रुपये हो गया है.

28 करोड़ के सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत वसूल कर ली है और निर्माताओं को मुनाफा देना शुरू कर दिया है. फिलहाल, इसने 17 फीसदी से ज्यादा मुनाफा कमा लियाया है और 2026 में बॉलीवुड की दूसरी सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली फिल्म बन गई है. वहीं अब इसे बॉर्डर 2 के 31.5ब्र मुनाफे को पछाड़कर आगे निकलने के लिए कुल 36.82 करोड़ रुपये कमाने होंगे. फिलहाल, यह अपने लक्ष्य से लगभग 3 करोड़ रुपये पीछे है. उम्मीद है कि मंगलवार तक फिल्म ये उपलब्धि भी हासिल कर लेगी.

गर्मियों में वजन घटाने में मदद कर सकते हैं ये 5 तरह के सलाद, जानिए रेसिपी

गर्मियों में बढ़ते वजन को कम करने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना जरूरी है। इसके लिए खान-पान में पोषक तत्वों से भरपूर और कम कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। इस दौरान सलाद का सेवन करना भी एक अच्छा विकल्प है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे सलाद की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन गर्मियों में वजन घटाने के साथ-साथ ताजगी प्रदान करने में मदद कर सकता है।

खीरे और पुदीने का सलाद

सबसे पहले खीरे को धोकर छील लें, फिर इसे पतले-पतले टुकड़ों में काट लें। अब एक कटोरे में खीरे के साथ बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियां, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस सलाद को ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें और जब ये ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद आपके शरीर को ताजगी और ठंडक देता है।

ककड़ी का सलाद

सबसे पहले ककड़ी को पतले-पतले टुकड़ों में काटें, फिर इसे एक कटोरे में बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियों, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस मिलाकर खा सकते हैं। आप चाहें तो इसमें थोड़ी सी कटी हुई हरी मिर्च और अदरक भी मिला सकते हैं। यह सलाद न केवल ताजगी प्रदान कर सकता है, बल्कि आपके शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकता है।

खीरे और अनानास का सलाद

सबसे पहले एक कटोरे में बारीक कटी हुई खीरे, अनानास के टुकड़े, बारीक कटा हुआ पुदीने का पत्ता, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा दही डालकर अच्छे से मिलाएं और अंत में ऊपर से कटा हुआ पिस्ता डालकर इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद आपके स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ पोषण भी देता है।

ककड़ी और अनार का सलाद

सबसे पहले एक कटोरे में बारीक कटी हुई ककड़ी, अनार के दाने, बारीक कटा हुआ पुदीने का पत्ता, स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में थोड़ा दही डालकर अच्छे से मिलाएं और अंत में ऊपर से कटा हुआ पिस्ता या बादाम डालकर इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसका सेवन करें। यह सलाद स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है।

चना और पुदीने का सलाद

सबसे पहले चने को रातभर पानी में भिगोकर छोड़ दें, फिर अगली सुबह इसे छानकर उबाल लें। अब एक कटोरे में उबले हुए चने, बारीक कटी हुई पुदीने की पत्तियां, बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और खीरे डालकर अच्छे से मिलाएं।

इसके बाद इसमें स्वादानुसार काला नमक, भुना जीरा पाउडर और नींबू का रस मिलाएं। अंत में ऊपर से अनार के दाने डालकर सलाद को परोसें। यह सलाद स्वाद और सेहत का अच्छा मेल है।

यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा करने के लिए अपनाएं ये 5 हैक्स

यात्रा करना एक रोमांचक अनुभव है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं, खासकर जब बात सुरक्षा की हो। चाहे आप कहीं भी जाएं, अपने सामान की सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताएंगे, जिनसे आपकी यात्रा और भी सुरक्षित हो सकती है। इन हैक्स को अपनाकर आप अपने सामान को चोरी होने से बचा सकते हैं और यात्रा का आनंद ले सकते हैं।

सामान को सुरक्षित रखें

यात्रा करते समय अपने सामान को सुरक्षित रखना सबसे जरूरी है। इसके लिए आप अपने बैग पर एक छोटा ताला लगा सकते हैं या फिर लॉक करने वाले बैग का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका सामान चोरी होने की संभावना कम होती है और आप बेफिक्र होकर यात्रा का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा जब आप किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाएं तो अपने बैग को हमेशा अपनी नजरों के सामने रखें।

जरूरी कागजात की कॉपी रखें

यात्रा के दौरान अपने जरूरी कागजात की कॉपी रखना बहुत जरूरी है। इसमें आपका पासपोर्ट, वीजा, टिकट और अन्य जरूरी कागजात शामिल हो सकते हैं। इनकी कॉपी रखने से अगर आपका मूल कागज खो जाता है या चोरी हो जाता है तो आप आसानी से नई कॉपी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा इन कागजात की डिजिटल कॉपी भी अपने फोन या टैबलेट में रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आप इन्हें तुरंत देख सकें।

पैसे अलग-अलग जगह रखें

यात्रा के दौरान हमेशा कुछ नकद पैसे अलग-अलग जगहों पर रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आप उनका इस्तेमाल कर सकें। उदाहरण के लिए अपने पर्स के अलावा अपनी जेब, बैग के अंदरूनी हिस्से या फिर किसी छोटे डिब्बे में भी पैसे रखें। इससे अगर आपका पर्स चोरी हो जाए तो भी आपके पास पैसे होंगे, जिनका इस्तेमाल आप कर सकते हैं। इसके अलावा आप क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मोबाइल का ध्यान रखें

आजकल मोबाइल हर किसी के लिए जरूरी हो गया है, इसलिए इसे सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। यात्रा करते समय अपने मोबाइल को हमेशा अपनी नजरों के सामने रखें और किसी भी सार्वजनिक स्थान पर उसे अकेला न छोड़ें। अगर संभव हो तो एक छोटा पाउच या केस रखें, जिसमें आपका मोबाइल सुरक्षित रहेगा। इसके अलावा अगर आपका मोबाइल खो जाए या चोरी हो जाए तो उसकी लोकेशन ट्रैक करने वाली ऐप का इस्तेमाल करें।

स्थानीय लोगों से जानकारी लें

यात्रा करते समय स्थानीय लोगों से जानकारी लेना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि वे उस जगह के बारे में बेहतर जानते हैं। वे आपको बताएंगे कि किन जगहों पर जाना सुरक्षित है और किन जगहों पर नहीं जाना चाहिए। इसके अलावा वे आपको अच्छे खाने के स्थान और बाजार आदि की जानकारी देंगे, जिससे आपकी यात्रा और भी मजेदार बनेगी। इन सरल, लेकिन प्रभावी हैक्स को अपनाकर आप अपनी अगली यात्रा को सुरक्षित और आनंदमयी बना सकते हैं।

ईरान का दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भीषण ड्रोन हमला, एक भारतीय समेत 4 घायल; 40 हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

दुबई (ए.)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव ने अब अंतरराष्ट्रीय हवाई सफर को सीधे निशाने पर ले लिया है। बुधवार सुबह दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक, दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (DXB) पर ईरान द्वारा किए गए ड्रोन हमले से हड़कंप मच गया। इस हमले में एक भारतीय नागरिक समेत कुल चार लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और मामले की गहन जांच की जा रही है।

ड्रोन हमले से दहला एयरपोर्ट, भारतीय नागरिक भी जख्मी

दुबई अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बुधवार सुबह हवाई अड्डे के परिचालन क्षेत्र के आसपास दो ड्रोन गिरे। इस हमले की चपेट में आने से दो घाना के नागरिक, एक बांग्लादेशी और एक भारतीय नागरिक को चोटें आईं। गनीमत रही कि घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। हालांकि, हमले के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन प्रशासन ने दावा किया है कि सुरक्षा पुख्ता होने के कारण वर्तमान में हवाई यातायात को सामान्य रूप से चलाने की कोशिश की जा रही है।

यात्रियों के लिए सख्त एडवाइजरी और उड़ानों में भारी देरी

दुबई इंटरनेशनल और अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन करने वाली संस्था 'दुबई एयरपोर्ट्स' ने यात्रियों के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। 7 मार्च से उड़ानों को आंशिक रूप से फिर से शुरू किया गया है, लेकिन शेड्यूल अभी भी अस्थिर बना हुआ है। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यात्री तब तक एयरपोर्ट न पहुंचें, जब तक उनकी एयरलाइन उड़ान के समय की पुष्टि न कर दे। वर्तमान में उड़ानों के संचालन में औसतन 60 से 90 मिनट की देरी दर्ज की जा रही है।

हफ्ते भर में दूसरा हमला, इमरजेंसी प्लान से बची जान

हैरानी की बात यह है कि 1 मार्च को भी दुबई एयरपोर्ट के एक हिस्से को ड्रोन हमले के जरिए निशाना बनाया गया था, जिसमें चार कर्मचारी घायल हुए थे। उस समय एयरपोर्ट के पहले से तैयार 'इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान' की वजह से ज्यादातर टर्मिनलों से यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बार-बार हो रहे इन हमलों ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। ईरानी हमलों के कारण मिडिल ईस्ट के हवाई क्षेत्र में अभूतपूर्व संकट खड़ा हो गया है। 28 फरवरी से अब तक क्षेत्र के 7 प्रमुख हवाई अड्डों पर 40,000 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। दुबई, दोहा, अबू धाबी, शारजाह, कुवैत और बहरीन जैसे बड़े केंद्रों से जाने वाली करीब 51,600 उड़ानें प्रभावित हुई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अकेले यूएई में फ्लाइट्स कैंसिल होने से एक समय में लगभग 20,200 यात्री फंसे हुए हैं।

तीसरे विश्व युद्ध में हो सकता है 12 हजार न्यूक्लियर मिसाइलों का उपयोग

वॉशिंगटन (ए)। तीसरे विश्व युद्ध के दौरान यदि दुनिया भर की करीब 12,000 न्यूक्लियर मिसाइलों का उपयोग होता है, तो अनुमानित 5 अरब लोग मारे जाएंगे और पूरी पृथ्वी 'न्यूक्लियर विंटर' यानी परमाणु शीत की चपेट में आ जाएगी। इस स्थिति में दस साल तक दुनिया के बड़े हिस्सों में बर्फबारी और अत्यधिक ठंड बनी रहेगी।अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ा कर दिया है। विशेषज्ञों और हालिया वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इस भीषण परिदृश्य में केवल दो देश - ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड - ही जीवित रहने में सक्षम हो सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों की भौगोलिक स्थिति उन्हें परमाणु शीत की मार के बावजूद कृषि और जीवन बनाए रखने में मदद करेगी। एनी जैकबसन, जो 'न्यूक्लियर वॉर: ए सिनेरियो' की लेखिका और आर्मगेडन विशेषज्ञ हैं, ने चेतावनी दी कि परमाणु विस्फोटों से निकलने वाली आग 100 मिलियन डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो सकती है।

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ ने सरकारी खर्चों में कटौती की, मंत्रियों की सैलरी बंद

इस्लामाबाद(ए.)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को जब राष्ट्र के नाम अपना संबोधन शुरू किया, तो आर्थिक तंगी से जूझ रही जनता को राहत की उम्मीद थी, लेकिन इसके उलट सरकार ने आफत का नया फरमान सुना दिया। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल युद्ध को ढाल बनाकर पाकिस्तान सरकार ने देश में बेहद कड़े और दमनकारी आर्थिक कदम लागू कर दिए हैं। मंत्रियों का वेतन पूरी तरह बंद कर दिया गया है और सांसदों के वेतन में 50 प्रतिशत की भारी कटौती की गई है। इतना ही नहीं, सरकारी अधिकारियों को मिलने वाला पेट्रोल-डीजल कोटा खत्म कर दिया गया है और स्कूल-कॉलेजों को वर्क फ्रॉम होम यानी ऑनलाइन मोड पर शिफ्ट कर दिया गया है।

देखने में ये कदम ईंधन बचाने की एक कवायद लग सकते हैं, लेकिन हकीकत में यह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से अगली किस्त हासिल करने का एक गुप्त रास्ता है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लंबे समय से वेंटिलेटर पर है और आईएमएफ ने फंड देने के लिए जो शर्तें रखी थीं, वे किसी फांसी के फंदे से कम नहीं थीं। इन शर्तों में सरकारी खर्चों में भारी कटौती, सब्सिडी का खात्मा और राजकोषीय घाटे को कम करना अनिवार्य था। शहबाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर की सरकार इन शर्तों को सीधे लागू करने से डर रही थी क्योंकि जनता के विद्रोह का खतरा था। अब युद्ध और वैश्विक संकट का नाम देकर इन कठोर फैसलों को राष्ट्रीय सुरक्षा की चादर में लपेटकर पेश किया जा रहा है।

भारतीय सहयोग को मजबूत करने के लिए ढाका ने बढ़ाया हाथ कहा- हम रिश्ते सुधारना चाहते हैं

ढाका(ए.)। बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तन और तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत के साथ द्विपक्षीय कूटनीतिक और सुरक्षा संबंधों को पटरी पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत मार्च की शुरुआत में बांग्लादेश की शीर्ष रक्षा खुफिया एजेंसी, डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस (डीजीएफआई) के प्रमुख ने भारत का एक उच्च-स्तरीय दौरा किया। तारिक रहमान सरकार के सत्ता संभालने के बाद किसी भी शीर्ष सैन्य या खुफिया अधिकारी की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा है, जिसे दोनों देशों के बीच भविष्य के सुरक्षा ढांचे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।जानकारी के अनुसार, बांग्लादेश के नवनियुक्त

डीजीएफआई महानिदेशक मेजर-जनरल कैसर राशिद चौधरी ने 1 से 3 मार्च के बीच दिल्ली का दौरा किया। अपनी इस संक्षिप्त लेकिन प्रभावी यात्रा के दौरान उन्होंने भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के प्रमुख पराग जैन और सैन्य खुफिया महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल आर. एस. रमन के साथ गहन चर्चा की। 2 मार्च को आयोजित एक विशेष बैठक के दौरान दोनों देशों के खुफिया प्रमुखों ने सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, खुफिया जानकारी साझा करने और सुरक्षा साझेदारी को और अधिक गहरा करने की रणनीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

भारी नुकसानः ईरान में भीषण बमबारी से एयरपोर्ट हुआ तबाह, पटरियों पर थमी रेल की रफ्तार

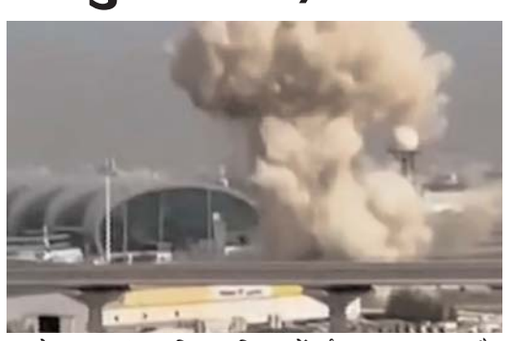

तेहरान,(ए.)। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष ने न केवल सैन्य ठिकानों बल्कि ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, इस युद्ध की आग में ईरान के करीब छह महत्वपूर्ण हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इनमें राजधानी तेहरान का मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे अधिक तबाही का गवाह बना है। हवाई हमलों के कारण लगभग 17 विमानों को नुकसान पहुंचा है, जिससे देश का हवाई परिवहन पूरी तरह चरमरा गया है।

हवाई मार्गों के साथ-साथ ईरान का विशाल रेल नेटवर्क भी इस युद्ध की अप्रत्यक्ष मार झेल रहा है। हालांकि, रेलवे लाइनों पर सीधे हमले की खबरें कम हैं, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न हुई परिस्थितियों ने ट्रेनों के पहिए जाम कर दिए हैं। ईरान में लगभग 13,000 किलोमीटर लंबा रेलवे नेटवर्क है, जिसका संचालन इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान रेलवे (आरएआई) द्वारा किया जाता है। मुख्य रूप से मिसाइल साइटों, तेल डिपो और परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाए जाने के कारण पूरे देश में बिजली संकट गहरा गया है। तेहरान सहित कई बड़े शहरों में बिजली कटौती और ईंधन की कमी ने सिग्नलिंग सिस्टम और इलेक्ट्रिक लाइनों को ठप कर दिया है।

सुरक्षा कारणों और बुनियादी ढांचे को पहुंचे नुकसान की वजह से पश्चिमी और मध्य ईरान में रेल सेवाएं या तो पूरी तरह रद्द कर दी गई हैं या उन्हें बेहद सीमित दायरे में चलाया जा रहा है। मरम्मत कार्य में महीनों लगने की आशंका जताई जा रही है। युद्ध के खौफ के कारण यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है और माल ढुलाई का काम भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

विदेशी आगंतुकों अमेरिकी कानूनों का करना होगा पालन, नहीं तो छोड़ना होगा देश

वॉशिंगटन,(ए.)। अमेरिका की सहायक अटॉर्नी जनरल हरमीत ढिल्लो ने कहा है कि अमेरिका में आने वाले विदेशी आगंतुकों जिनमें कॉलेज परिसरों में पढ़ने वाले छात्र भी शामिल हैं, उनको अमेरिकी कानूनों का पालन करना होगा। ऐसा न करने वाले देश में रहने का अधिकार खो सकते हैं। एक साक्षात्कार में ढिल्लो ने कहा कि यदि आगंतुक कानून का उल्लंघन करते हैं या विश्वविद्यालय परिसरों में अव्यवस्था फैलाते हैं तो अधिकारियों को सख्त नियम लागू करने चाहिए।उन्होंने कहा कि अमेरिका में आने वाले आगंतुकों को कानून का पालन करना होगा, खासकर कॉलेज परिसरों में वरना उन्हें देश से जाना होगा। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि न्याय विभाग छात्रों के खिलाफ हिंसा या नफरत को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा और उनके नागरिक अधिकारों की रक्षा करेगा। उनकी यह टिप्पणी अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में चल रहे तनाव के बीच आई है।

खेल समाचार

आईपीएल 2026: मैथ्यू हेडन को गुजरात टाइटंस ने बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी संस्करण की शुरुआत 28 मार्च से होनी है, जिसके पूरे शेड्यूल की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। इस बीच गुजरात टाइटंस (जीटी) फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 से ठीक पहले मैथ्यू हेडन को बतौर बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज हेडन आईपीएल में 32 मैचों में खेल चुके हैं और अब कोच की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

जीटी के क्रिकेट डायरेक्टर विक्रम सोलंकी ने इस नियुक्ति पर कहा, मैथ्यू हेडन की नियुक्ति हमारी यात्रा के एक अहम पड़ाव पर हुई है। एक फ्रेंचाइजी के तौर हम लगातार अपने क्रिकेटिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सबसे ऊंचे स्तर पर उनका अनुभव, और उभरती हुई प्रतिभा को मार्गदर्शन करने की उनकी काबिलियत, आने वाले सीजन में हमारे बल्लेबाजों के काम आएगी।

हेडन आईपीएल में 3 संस्करण में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 32 पारियों में 36.90 की औसत और 137.51 की स्ट्राइक रेट के साथ 1,107 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 93 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 8 अर्धशतक लगाए थे। वह सीएसके की ओर से एक खिताब (2010) जीत चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2010 के फाइनल में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 17 रन बनाए थे।

जीटी से पहले हेडन पाकिस्तान के साथ कोचिंग कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया में 2022 के टी-20 विश्व कप फाइनल के दौरान वह पाकिस्तानी टीम के मेंटर भी थे। आईपीएल 2025 में जीटी ने 14 मैचों में से 9 में जीत दर्ज की थी, जबकि 5 में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वह एलिमिनेटर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई थी। जीटी ने लीग चरण के समापन पर 18 अंक के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था।

रिटेन किए गए खिलाड़ी: अनुज रावत, ग्लेन फिलिप्स, गुरनूर सिंह बराड़, इशांत शर्मा, जयंत यादव, जोस बटलर, कगिसो रबाडा, कुमार कुशाग्र, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद अरशद खान, निशांत सिंधु, प्रसिद्ध कृष्णा, आर साई किशोर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर। नीलामी में खरीदे: टॉम बैंटन (2 करोड़), जेसन होल्डर (7 करोड़), अशोक शर्मा (90 लाख), पृथ्वी राज (30 लाख), ल्यूक वुड (75 लाख)।

टी-20 विश्व कप खिताब जीतने पर भारतीय टीम को 131 करोड़ रुपये की राशि देगा बीसीसीआई

नईदिल्ली,(ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता। इस खिताबी जीत के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इनामी राशि की घोषणा की। बोर्ड विजेता भारतीय टीम को 131 करोड़ रुपये देगा। बता दें कि भारत ने लगातार दूसरे संस्करण में इस प्रतिष्ठित खिताब को जीतने में सफलता हासिल की है। 2024 में जब रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत विश्व विजेता बना था, तब बोर्ड ने 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि दी थी।

बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने इस घोषणा की पुष्टि की। उन्होंने कहा, BCCI ने टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के बाद उसे 131 करोड़ रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा, बोर्ड इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य में उनकी सफलता की कामना करता है।

चैंपियंस लीग- एटलेटिको मैड्रिड ने टोटेनहम के खिलाफ हासिल की बड़ी जीत

मैड्रिड ,(ए.) एटलेटिको मैड्रिड ने मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में अपने अंतिम-16 मुकाबले के पहले लेग में टोटेनहम हॉटस्पर को 5-2 से हराकर चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया। टोटेनहम के 22 साल के एंटोनिन किंस्की की एक गलती ने छठे मिनट में एटलेटिको को बढ़त दिला दी जब वह पीछे से गेंद को बाहर खेलने की कोशिश में फिसल गए। इससे मार्कोस लोरेंटे को आसानी से गोल करने का मौका मिल गया।मिकी वैन डे वेन की एक और गलती से एंटोनी ग्रीजमैन 14वें मिनट में गोल करने के लिए आसानी से आगे निकल गए। इससे एटलेटिको की बढ़त दोगुना हो गई। किंस्की की तरफ से एक और गलती हुई जिसका फायदा जूलियन अल्वारेज ने उठाया। 17वें मिनट में टोटेनहम के कोच ट्यूडर ने किंस्की की जगह गुग्लिल्मो विकारियो को उतारा। 22वें मिनट में

जब ग्रीजमैन की फ्री किक को फ्लिक किया गया तो विकारियो ने तुरंत रिएक्ट किया, लेकिन रॉबिन ले नॉर्मैंड ने रिबाउंड पर हेडर मारकर स्कोर 4-0 कर दिया। चार मिनट बाद पाब्लो पोरो ने टोटेनहम के लिए एक गोल वापस कर दिया।एटलेटिको के गोलकीपर जान ओब्लाक ने 55वें मिनट में रिचर्डसन को रोकने के लिए एक सेव किया और स्कोर 4-2 कर दिया। इसके बाद एटलेटिको ने चार गोल की बढ़त वापस पा ली, जब ग्रीजमैन ने अल्वारेज को रिलीज किया, जो टोटेनहम के डिफेंस को भेदकर 5-1 से आगे निकल गया। डोमिनिक सोलांके ने टोटेनहम के लिए दूसरा गोल कर दिया। एटलेटिको ने मैच 5-2 से जीता। टोटेनहम के कोच इगोर ट्यूडर ने मैच से पहले कहा था कि वह यूरोपियन प्रोग्रेस से ज्यादा प्रीमियर लीग में बने रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

टी-20 विश्व कप 2026 में इन ऑलराउंडर्स ने किया कमाल का प्रदर्शन

नईदिल्ली,,(ए.)। क्रिकेट के खेल में ऑलराउंडर टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। भारतीय टीम में भी हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे उपयोगी ऑलराउंडर मौजूद हैं, जिनके प्रदर्शन के दम पर टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता। इस संस्करण में विश्व के कुछ ऑलराउंडर्स ने अपनी-अपनी टीमों के लिए उम्दा प्रदर्शन किया। इस बीच टी-20 विश्व कप 2026 में उम्दा प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर्स के बारे में जानते हैं। पांड्या ने इस संस्करण के सभी 9 मैचों में हिस्सा लिया, जिसमें बल्लेबाजी में उन्होंने 9 ही पारियों में 27.12 की औसत और 160.74 की स्ट्राइक रेट के साथ 217 रन बनाए। उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाए। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 32.33 की औसत और 8.81 की इकॉनमी रेट के साथ 9 ही विकेट लिए। उन्होंने नई गेंद के साथ पावरप्ले ओवरों में और पुरानी गेंद से डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी की। भारतीय ऑलराउंडर दुबे ने इस संस्करण में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने 39.16 की औसत और 169.06 के स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। इसमें नीदरलैंड के खिलाफ सिर्फ 31 गेंदों पर 66 रन की तूफानी पारी भी शामिल है। गेंदबाजी में उन्होंने सिर्फ 10.2 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 5 विकेट चटकाए। हालांकि, गेंदबाजी में वह महंगे साबित हुए और उनकी इकॉनमी रेट लगभग 14 की रही।वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ने गेंदबाजी में इस संस्करण में 8.86 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए। उन्होंने स्कॉटलैंड (3/30) और नेपाल (4/27) के खिलाफ ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी में उन्होंने इंग्लैंड (17 गेंदों पर 33 रन), दक्षिण अफ्रीका (31 गेंदों पर 49 रन), और भारत (22 गेंदों पर 37* रन) के खिलाफ उपयोगी पारियां खेलीं।

हरभजन ने कीर्ती आजाद को दिया करारा जवाब, खेल को राजनीति में न घसीटें

नई दिल्ली (ए.)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विश्वकप ट्रॉफी को धार्मिक विवाद में घसीटने के लिए टीएमसी सांसद कीर्ती आजाद की कड़ी आलोचना की है। पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने भारतीय टीम की विश्वकप जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के स्टेडियम के पास में बने हनुमान मंदिर में ट्रॉफी लेकर जाने पर सवाल उठाये थे। पूर्व क्रिकेटर रहे आजाद ने कहा था कि ट्रॉफी को किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, उसे अन्य धर्मस्थलों पर क्यों लेकर नहीं गये। इसी को लेकर हरभजन ने कहा कि इस प्रकार की विवादास्पद बातों की उन्हें आजाद जैसे पूर्व क्रिकेटर से उम्मीद नहीं थी। साथ कहा कि वे खेल

को राजनीति में घसीटने का प्रयास न करें। हरभजन ने कहा, यह अजीब है कि आजाद इस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं, जो समझ से परे है। भारतीय टीम ट्रॉफी को मंदिर, मस्जिद, चर्च, जहां चाहे ले जा सकती है। अगर उन्होंने अपने भगवान से कुछ मांगा है और उनकी इच्छा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने विश्वास पर दोबारा सोचा है, तो इसमें क्या दिक्कत है? हरभजन ने कहा है कि उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत ने विश्व कप जीता है।

उन्होंने कहा, साथी क्रिकेटरों से ये बातें सुनना बुरा लगता है। इससे लगता है कि आजाद शायद खेल से ज्यादा राजनीति को पसंद कर रहे हैं। यह और भी बुरा है कि वह एक खिलाड़ी होते हुए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। देश ने विश्व कप जीता है। खुश रहो, जश्न मनाओ पर तुम राजनीति करने में व्यस्त हो।

टी-20 विश्व कप के फाइनल में अर्धशतक लगाने के साथ-साथ विकेट लेने वाले खिलाड़ी

नईदिल्ली,(ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए यह टी-20 विश्व कप उतार-चढ़ाव भरा रहा। वह अपने शुरुआती 3 पारियों में शून्य पर आउट हुए और आखिर में फाइनल में उन्होंने अर्धशतक लगाया। खिताबी मैच में अर्धशतक लगाने के बाद अभिषेक ने गेंदबाजी में एक विकेट भी हासिल किया। इस बीच टी-20 विश्व कप इतिहास में उन खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने फाइनल में अर्धशतक लगाने के साथ-साथ गेंदबाजी में विकेट लिया है।टी-20 विश्व कप 2009 के फाइनल में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराते हुए अपना पहला खिताब जीता था। खिताबी मुकाबले में पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने गेंदबाजी में अपने 4 ओवर में 20 रन देते हुए 1 विकेट लिया था। इसके बाद जीत के लिए मिले 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफरीदी ने 40 गेंदों में 2 चौकों और इतने ही छक्के की मदद से नाबाद 54 रन बनाए थे।टी-20 विश्व कप 2012 के फाइनल में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 36 रन से हराया था। कोलंबो में हुए खिताबी मैच में कैरेबियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 137/6 का स्कोर बनाया था। वेस्टइंडीज की ओर से मार्लन सैमुअल्स ने 56 गेंदों में 78 रन की पारी खेली थी, जिसमें 3 चौके और 6 छक्के शामिल थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 101 रन पर सिमटी थी। गेंदबाजी में सैमुअल्स ने एक विकेट लिया था।टी-20 विश्व कप 2016 के फाइनल में इंग्लैंड के जो रूट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 54 रन की पारी खेली थी। उनके इस अर्धशतक की मदद से इंग्लिश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 155/9 का स्कोर बनाया था।

हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयारी और संसाधनों का बेहतर उपयोग आपदा प्रबंधन के लिए अत्यंत आवश्यक है : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

कलेक्टर ने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान परखी आपदा प्रबंधन की तैयारियां
मॉक ड्रिल के दौरान नागरिकों को आपदा से बचाव के उपायों की दी गई जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने बुधवार को सेठानी घाट पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल का अवलोकन कर आपदा प्रबंधन एवं बचाव की तैयारियों को परखा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस थोटा, डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौर, तहसीलदार श्रीमती सरिता मालवीय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सोमवार से आपदा प्रबंधन कार्यशालाओं का शुभारंभ किया गया है, जो एक सप्ताह तक निरंतर आयोजित की जाएंगी। इन कार्यशालाओं में होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के जवानों को आपदा प्रबंधन और बचाव कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, स्कूली बच्चों, सिविल डिफेंस वॉलंटियर एवं आपदा मित्रों को भी आपदा प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथभी उन्होंने कहा कि इन कार्यशालाओं का उद्देश्य किसी भी प्रकार की आपदा के लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित करना, नागरिकों को जागरूक करना तथा शासकीय अमले को आपदा की स्थिति में प्रभावी प्रबंधन के लिए तैयार रखना है, ताकि संकट के समय उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर जन-धन की हानि को कम किया जा सके।सेठानी घाट पर आयोजित इस मॉक ड्रिल के माध्यम से विभिन्न आपदाओं सहित बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से बचाव तथा विभिन्न परिस्थितियों में नागरिकों के डूबने की स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों और बचाव उपायों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उपस्थित नागरिकों को आपदा के समय सतर्कता बरतने और सुरक्षित रहने के बारे में जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित आपदा प्रबंधन कार्यशालाओं का शुभारंभ सोमवार से किया गया है। यह कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण एक सप्ताह तक निरंतर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के अमले को आपदा प्रबंधन और बचाव कार्यों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।मॉक ड्रिल के दौरान उपस्थित स्नानार्थियों को डूबने से बचने के लिए घरेलू वस्तुओं से बचाव सामग्री तैयार करने की विधि बताई गई तथा आकाशीय बिजली, भूकंप, हीट स्ट्रोक एवं सीपीआर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई तथा बचाव के दौरान अपनाई जाने वाले उपायों का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर संकट मोचन बल सेफ्टी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मुंबई (महाराष्ट्र) के मुख्य प्रशिक्षक इच्छाशु वाजपेयी एवं उनकी टीम द्वारा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं से बचाव तथा पूर्व तैयारी से संबंधित विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही डूबते हुए व्यक्ति अथवा नाव के पलटने की स्थिति में बचाव कार्यों का नाटकीय रूपांतरण कर आपदा के समय किए जाने वाले उपायों का प्रदर्शन किया गया।इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि सा दिवस तक चलने वाली आपदा प्रबंधन की इस कार्यशालाओं के दौरान होमगार्ड के सैनिक संबंधित शासकीय अधिकारियों कर्मचारियों सहित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, स्कूली बच्चों को भी आपदा प्रबंधन से जुड़ी जानकारियां और आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। सिविल डिफेंस वॉलंटियर और आपदा मित्रों को भी प्रशिक्षित किया जायेगा।

इंस्पायर अवार्ड में स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल के तीन विद्यार्थियों का चयन बढ़ाया विद्यालय का गौरव

नर्मदापुरम (निप्र) । स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और नवाचार से विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के तीन होनहार विद्यार्थियों — सैयद मोहम्मद अब्बास जैदी, प्रणद कावरे और आर्यन यादव का जिला स्तरीय चयन भारत सरकार के साइंस एंड टेक्नोलॉजी डिपार्मेंट के प्रतिष्ठित इंस्पायर अवार्ड मानक 2025-26 के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा का प्रमाण है, बल्कि विद्यालय में दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन को भी दर्शाती है।इन विद्यार्थियों ने अपने अभिनव वैज्ञानिक विचारों और परियोजनाओं के माध्यम से यह सफलता अर्जित की है।

उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष और गर्व का माहौल है। प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल सदैव विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों की इस सफलता को विद्यालय की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम बताया।

इस सफलता के पीछे विद्यालय के विज्ञान शिक्षक गजेंद्र सिंह राठौड़ का विशेष मार्गदर्शन रहा, जिन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया और उनकी प्रतिभा को सही दिशा दी। उनके निरंतर प्रयासों और प्रेरणा से विद्यार्थियों ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।विद्यालय परिवार ने सभी चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार नई ऊंचाइयों को प्राप्त करते हुए देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।

क्षत्रिय मराठा नव निर्माण सेना ने मनाई छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि

श्रद्धाभाव के साथ अर्पित किए श्रद्धासुमन

नर्मदापुरम (निप्र)। क्षत्रिय मराठा नव निर्माण सेना के ने वीर योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि मंगलवार को नेहरू पार्क में मनाई। इस क्षत्रिय मराठा नव निर्माण सेना - के पदाधिकारी व सदस्यगण शहर के अन्य समाजसेवी शामिल हुए। सभी ने छत्रपति संभाजी महाराज के चित्र पर - श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उनका जन्म 14 मई सन 1657 ई में हुआ था। ये बचपन से ही अपने पिता शिवाजी के जैसे वीर योद्धा थे। संगठन के सदस्यों द्वारा वीर संभाजी महाराज के जयकारे लगाए। इस अवसर पर भाजपा नर्मदापुर नगर मंत्री कमल राव चव्हाण,समाजसेवी सुशीला वाइसकर ,विकास आगौन प्रकाश मराठा,बसंत शिर्के,संतोष मराठा,संजय रायकवार,अनसुईया चव्हाण,पार्वती नाईक,पुष्पा, उज्वला चव्हाण, कांची,नमन आदि अनेक सामाजिक लोग एवं नन्हें मुन्नहें बच्चे भी उत्साह के साथ शामित हुए।

सड़कों के मेंटेनेंस एवं मरम्मत का कार्य सड़क निर्माण विभाग प्राथमिकता से करें : कमिश्नर श्री तिवारी

कमिश्नर ने संभाग की सड़कों के निर्माण कार्य एवं डीपीआर तथा स्वीकृति की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र) । सड़क निर्माण की डीपीआर बनाने में अधिक समय ना लगे, डीपीआर के पश्चात सड़क निर्माण का टेंडर प्राथमिकता से लगाया जाए। टेंडर के पश्चात सड़क निर्माण का कार्य भी अविलंब शुरू कर दिया जाए। सभी सड़कों की मेंटेनेंस एवं मरम्मत का कार्य अ विलंब शुरू किया जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को आयोजित मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड गृह निर्माण मंडल एवं मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए। प्रबंधक मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम ने बताया कि वर्तमान में हरदा से आशापुर सड़क का कार्य किया जाना है इसके साथ ही हरदा से खिड़कियां तक जाने वाली सड़क के मेंटेनेंस का कार्य भी किया जा रहा है। प्रबंधक मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण ने बताया कि वर्तमान में सड़कों के रिनुवल का कार्य कर रहे हैं, कई सड़कों के निर्माण कार्य के लिए टेंडर लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री मजरा टोला के अंतर्गत सड़क निर्माण के कार्यों का सर्वे किया गया है। हर जिले की प्रत्येक विधानसभा में 20 किलोमीटर तक के सड़क का निर्माण कार्य विभाग द्वारा किया जाना है। इसके अनुरुप नर्मदापुरम जिले में 80 किलोमीटर की सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा। सोहागपुर में 14 सड़क एवं पिपरिया में 10 सड़क निर्माणाधीन है। हरदा में 40 एवं बैतूल में 100 किलोमीटर तक की रोड बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि माइनिंग के अंतर्गत कुछ सड़क आ रही है जिससे सड़क निर्माण में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि कादी कला रोड व तारा रोड़ा रोड बारिश में खराब हो गई थी जिसके मेंटेनेंस का कार्य किया जाना है। विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री ने बताया कि सब स्टेशन मालाखेड़ी रायपुर, साधपुरा निभौरा में पावर स्टेशन बनने हैं। साधपुरा में एक हेक्टेयर क्षेत्र में सब स्टेशन बनाया जाएगा यहां से 25 किलोमीटर की विद्युत लाइन भी डाली जाएगी।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने लोकसभा में उठाया क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का मुद्दा

नई दिल्ली/नर्मदापुरम (निप्र) । लोकसभा सदन में बुधवार को सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने लोकसभा में नियम 377 के अधीन प्रश्न रखते हुए क्षेत्र की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं कृषि परंपराओं के संरक्षण का महत्वपूर्ण विषय उठाया। उन्होंने बताया कि मेरा गांव मेरी धरोहर योजना, जो आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रारंभ की गई है, जिसका उद्देश्य देश के ग्रामों की प्राचीन संस्कृति, लोक परंपराओं, वेशभूषा, खान-पान, लोककला एवं ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण और डिजिटलीकरण करना है। सांसद ने सरकार से पूछा कि मध्यप्रदेश के होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र में अब तक कितने ग्रामों को इस योजना में शामिल कर उनकी सांस्कृतिक विरासत का अभिलेखीकरण किया गया है तथा भविष्य में और कितने ग्रामों को इससे जोड़े जाने का प्रावधान है।साथ ही सांसद ने कृषि प्रधान क्षेत्रों में किसान देवता Balram से जुड़ी परंपराओं, पारंपरिक कृषि उपकरणों, ग्रामीण उत्सवों एवं प्राचीन भारतीय खेती पद्धतियों के संरक्षण और प्रोत्साहन की आवश्यकता भी बताई।

उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के अनेक ऐतिहासिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों—जैसे सेठानी घाट बांद्राभान बरमान घाट पचमढ़ी अनहोनी एवं पांडव गुफा सहित अन्य धरोहरों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण और सांस्कृतिक पर्यटन के रूप में विकास के लिए विशेष योजना प्रारंभ करने का आग्रह भी किया।सांसद ने कहा कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सीएमएस पोर्टल पर चार्ज अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

डीसीएचबी पोर्टल की जानकारी से भी कराया गया अवगत

नर्मदापुरम (निप्र)। पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में बुधवार को अपर कलेक्टर अनिल जैन की उपस्थिति में जनगणना से संबंधित कार्यों के लिए सभी चार्ज अधिकारियों एवं उनके सहायकों को सीएमएस पोर्टल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को डीसीएचबी पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न जानकारियों से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि जिला जनगणना हस्त पुस्तिका में जिले का समग्र वर्णनात्मक विवरण, प्रशासनिक सांख्यिकी, जनगणना से संबंधित विभिन्न सारणियां तथा प्राथमिक जनगणना सार सहित ग्राम-नगर निर्देशिका सम्मिलित की जाती है। ग्राम एवं नगर निर्देशिका में जिले के प्रत्येक ग्राम एवं नगर से संबंधित सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं तथा महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता से जुड़े गैर-जनगणना आंकड़ों का समावेश किया जाता है।अधिकारियों को जानकारी दी गई कि यह कार्य मकान सूचीकरण कार्य पूर्ण होने के पश्चात किया जाएगा तथा इसके लिए आवश्यक आंकड़ों का संग्रहण 30 दिनों की अवधि के भीतर किया जाएगा।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न, अचल संपत्तियों की गाइडलाइन दरों के प्रस्ताव आमजन के अवलोकन हेतु जारी

नई दिल्ली/नर्मदापुरम (निप्र) । नर्मदापुरम जिले में अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य की दरों के निर्धारण के संबंध में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदा पुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौक से, वरिष्ठ जिला पंजीयक राजीव सोरते सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।बैठक में समिति के सभी संबंधित सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान अनुभाग स्तर पर गठित उप जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त प्रस्तावों एवं दरों पर विस्तृत चर्चा एवं विश्लेषण किया गया।

विचार-विमर्श के उपरांत समिति द्वारा सर्वसम्मति से प्राप्त प्रस्तावों पर सहमति प्रदान की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्ष 2026-27 के लिए अचल संपत्तियों की प्रस्तावित गाइडलाइन दरों को केन्द्रीय मूल्यांकन समिति भोपाल को भेजने से पूर्व आमजन के अवलोकन के लिए सार्वजनिक किया जाएगा। इस संबंध में प्रस्तावों को जिला नर्मदापुरम के समस्त उप पंजीयक कार्यालयों तथा जिला पंजीयक कार्यालय में रखा गया है। आम नागरिक इन प्रस्तावित दरों का अवलोकन कर सकते हैं तथा यदि किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा प्रस्तुत करना हो तो वे 12 मार्च 2026 से 17 मार्च 2026 तक कार्यालयीन समय में संबंधित कार्यालयों में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रेरणा कान्वेंट इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से जगाई स्वच्छता की अलख

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रेरणा कान्वेंट इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छ भारत अभियान का प्रभावशाली संदेश दिया। स्कूल के आसपास,हरदा बाईपास की कॉलोनियों में फैली गंदगी को देखकर बच्चों ने स्वयं पहल करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। जिसमें कक्षा 7वीं माही राजपूत, मानवी तोमर, आराध्या मीणा, मानवी वर्मा,जयंती मीणा, कनक प्रजापति ,सिमरन चौरे, शालू दुबे,अंशिका गौड़, कनिष्क दायमा, तन्वी तुमराम, अर्पित अहिरवार, चिराग बेदी, दिव्यांश पिठारी, देवराज वंशकार, अभय यादव, हिमांशु राज सिंह, आयुष अहिरवार,निखिल दोहरे, उदय प्रताप बाडिबा , चिराग बेदी, तनिष्क गोस्वामी कक्षा 8वीं हर्षिता यादव, माही राजपूत, स्तुति साहू ,रिशिता मीणा, कृतिका राजपूत, आरुषि यादव, महिमा वर्मा, इशिका साहू,पाखी राजपूत ,रीना गौर , अनन्या गौड़, हर्षिता विश्वकर्मा, अनन्या दुबे, कविता कुशवाहा, डॉली यादव कक्षा 9वीं मानसी यादव, मोहिनी रावत, खुशी रघुवंशी,

आदर्श सोनी, यतेश चौरसिया, अनंत यादव, श्रीकेश यादव, ऋतिक रघुवंशी विद्यार्थी शामिल रहे। नाटक के माध्यम से इन्होंने कूड़ा इधर-उधर न फेंकने, कचरा डस्टबिन में डालने, आसपास के वातावरण को साफ रखने तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक में दिखाया गया कि किस प्रकार गंदगी और लापरवाही से बीमारियां फैलती हैं और पर्यावरण प्रदूषण होता है। स्वच्छ भारत की अलख जागते हुए छात्र-छात्राओं के साथ श्रीकांत भाग्यम, अजहर शेख, शंभू सिंह राजपूत, राहुल अग्रवाल, सुधा सराठे, प्रियंका जोशी, सुचित्रा बाथरी, उर्वशी थापक, कामाक्षी दुबे, निधि मालवीय, रश्मि मालवीय का सहयोग रहा। शिक्षक शिक्षिकाओं ने यह संदेश दिया कि प्रत्येक नागरिक अपने आसपास की सफाई की जिम्मेदारी निभाए, तो समाज को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए जा सकता है। विद्यार्थियों के जीवंत अभिनय और प्रभावशाली संवादों ने उपस्थित लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। कॉलोनी वासियों ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना की और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। विद्यालय की संचालिका श्रीमती समर्पिता सोनी ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन न केवल एक स्वच्छता अभियान है बल्कि समाज को जागरूक करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल भी है। विधालय के प्रयासों से हरदा बाय पास रोड अब साफ़ ओर स्वच्छ है कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ ली और स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का संदेश देते हुए अभिनय को सफल बनाने का आह्वान किया तथा यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के लिए भी एक महत्वपूर्ण सीख साबित हुआ।

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.-06/2026/निविदा/सा/मु.अ.भ./ भोपाल दिनांक 02.03.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:-

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी)(रू लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_487285_1	कंस्ट्रक्शन आफ फर्स्ट फ्लोर ऑफ लॉ कॉलेज एट नर्मदापुरम (तृतीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम	510.91	510910	20000	15 माह वर्षाकाल सहित
2	2026_PWPIU_487454_1	बरेली जिला रायसेन स्थित संयुक्त एस.डी.एम.(राजस्व)भवन के लिए फर्नीचर की आपूर्ति, व्यवस्था और स्थापना।	रायसेन	92.31	92310	10000	02 माह वर्षाकाल सहित
3	2026_PWPIU_487343_1	शासकीय महाविद्यालय भवन मोहन बड़ोदिया जिला शाजापुर में बाउण्ड्रीवॉल एवं गेट निर्माण कार्य।	शाजापुर	175.27	175270	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 02.03.2026 समय 10.30 से दिनांक 16.03.2026 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी/27096/25 मुख्य अभियंता (भवन)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें लोक निर्माण विभाग भोपाल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com